**रोहतक**

**रविवार 22 मार्च 2026**

चैत्र मास शुक्ल पक्ष,
चतुर्थी वर्ष : 30, अंक : 46
पृष्ठ 16 मूल्य 3 .00

**मौसम**
अधि. 28.3
न्यून. 11.0

# हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

07 मानव और यशस्विनी ने जीता राष्ट्रीय टेबल टेनिस का खिताब

## खबर संक्षेप

### भारी भीड़ के चलते रोकी गई माता वैष्णो देवी यात्रा

**जम्मू।** चैत्र नवरात्र के तीसरे दिन शनिवार को भारी भीड़ के चलते माता वैष्णो देवी यात्रा को रोकना पड़ा। शाम 5 बजे तक कुल 40,800 से अधिक श्रद्धालु भवन के लिए रवाना हो चुके थे। भीड़ को देखते हुए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने कटरा आधार शिविर से आगे की यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया। यात्रा पर्ची काउंटर रविवार सुबह 4 बजे दोबारा खोले गए। एजेंसी

### घरेलू फ्लाइट्स का किराया बढ़ा सकेंगी एयरलाइंस

**नई दिल्ली।** अब एयरलाइन कंपनियां घरेलू फ्लाइट्स का किराया सीटों की मांग की हिसाब से बढ़ा सकेंगी। सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने हवाई किराए पर लगी रोक को हटा दिया है। यह फैसला 23 मार्च से लागू होगा। पिछले साल दिसंबर में इंडिगो की उड़ानों में आई रुकावटों के बाद फेयर कैप लगाया गया था। सरकार ने एयरलाइंस का अधिकतम किराया 18000 तय किया था। एजेंसी

### काउंसलर को अब पास करनी होगी एआई परीक्षा

**नई दिल्ली।** केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने शिक्षा को आधुनिक बनाने और छात्रों के कल्याण के लिए एक नए पहल की शुरुआत की है। बोर्ड ने स्कूल काउंसलरों और वेलनेस शिक्षकों के लिए एआई की मदद से ऑनलाइन मूल्यांकन शुरू किया है, जिसे घर बैठे भी दिया जा सकता है। यह पहल काउंसलरों की गुणवत्ता सुधारने के लिए की गई है। इसका उद्देश्य स्कूलों में बच्चों के लिए बेहतर काउंसलिंग सिस्टम तैयार करना है। एजेंसी

## यूएस ने तेल की खरीद पर लगे प्रतिबंधों में दी 30 दिन की छूट

# अमेरिका बोला-ईरान बेच सकता है तेल तेहरान का जवाब- हमारे पास तेल ही नहीं

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव/तेहरान

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का शनिवार को 22वां दिन रहा। इस बीच ट्रम्प प्रशासन ने ईरानी तेल की खरीद पर प्रतिबंधों में 30 दिन की छूट दी है। अमेरिका ने कहा कि ईरान अब तेल बेच सकता है। इसी बीच ईरान ने कहा कि हमारे पास तेल ही नहीं है, हम बेचे कहां से। अमेरिका द्वारा दी गई ये छूट केवल समुद्र में मौजूद ईरानी तेल के टैंकरों की खरीद के लिए है। अमेरिकी ट्रेजरी मिनिस्टर स्कॉट बेसेंट ने इसकी घोषणा की। ट्रेजरी विभाग की वेबसाइट के मुताबिक यह छूट 20 मार्च से 19 अप्रैल के लिए है। ग्लोबल मार्केट में तेल की सप्लाई बढ़ाने और कीमतों को काबू में रखने के लिए ऐसा किया गया है। अमेरिका-इजराइल की ईरान के साथ चल रही जंग की वजह से क्रूड की कीमतें 110 डॉलर के पार निकल गई है। 28 फरवरी को जंग शुरू होने से पहले ये 70 डॉलर के करीब थी।

**20 मार्च से 19 अप्रैल तक मिलेगी छूट**

**पीएम मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद से की फोन पर बात**

### ईरान का हिंद महासागर में अमेरिकी बेस पर हमला

ईरान ने शुक्रवार सुबह हिंद महासागर में स्थित अमेरिका-ब्रिटेन के जॉइंट सैन्य बेस डिएगो गार्सिया पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। अमेरिकी अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। उनके मुताबिक, ईरान ने 2 मिसाइलें दागीं, लेकिन कोई भी बेस को निशाना नहीं बना सकी। यह बेस ईरान के तट से लगभग 3810 किलोमीटर दूर है। तेहरान से इसकी दूरी 5 हजार किमी से भी ज्यादा है। डिएगो गार्सिया अमेरिका के लिए बेहद अहम सैन्य ठिकाना है। इस बेस से अमेरिका अपने बॉम्बर प्लेन का इस्तेमाल करता है। यहां बड़े टैंकर विमान और निगरानी करने वाले विमान भी काम कर सकते हैं।

### नतांज न्यूक्लियर सेंटर पर फिर हमला

ईरान के तसनीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, सुबह अमेरिका और इजराइल ने ईरान के नतांज न्यूक्लियर सेंटर पर हवाई हमला किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस हमले में अभी तक किसी भी तरह का रेडियोएक्टिव (खतरनाक परमाणु) रिसाव नहीं हुआ है। इस इलाके के आसपास रहने वाले लोगों को कोई खतरा नहीं है। इजराइल और अमेरिका ने इससे पहले 2 मार्च को भी इस प्लांट पर हमला किया था।

### ईरानी नेवी ने होर्मुज पार कराया एलपीजी से लदा भारतीय जहाज

ईरानी नेवी ने 13 मार्च की रात को एक भारतीय जहाज को सुरक्षित तरीके से होर्मुज स्ट्रेट पार कराया था। एलपीजी लेकर आ रहा ये जहाज 10 दिन से फारस की खाड़ी में फंसा था। यह खबर ब्लूमबर्ग ने दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह काम भारत और ईरान के बीच बातचीत के बाद हुआ। जहाज को पहले से तय रास्ते से निकाला गया ताकि वह हमलों से बच सके। इस दौरान जहाज का ट्रैकिंग सिस्टम बंद कर दिया गया था। हालांकि रिपोर्ट में इस जहाज का नाम नहीं बताया गया है। अभी तक दो भारतीय जहाज शिवालिक (16 मार्च) और नंदा देवी (17 मार्च) होर्मुज के रास्ते एलपीजी लेकर भारत पहुंचे हैं। वहीं फारस की खाड़ी में अभी भी करीब 22 भारतीय जहाज फंसे हुए हैं। फारस की खाड़ी में मौजूद होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के अहम शिपिंग रूट्स में शामिल है। यहां से दुनिया भर की करीब 20% ऑयल की सप्लाई होती है। *(विस्तृत पैकेज पेज-8 पर)*

### राज्यों को 23 मार्च से मिलेगी 20% ज्यादा एलपीजी, कोटा 50% किया

**नई दिल्ली।** केंद्र ने देश में जारी गैस संकट के बीच राज्यों को एलपीजी सप्लाई बढ़ाने का निर्देश दिया है। 23 मार्च से राज्यों को अब पहले के मुकाबले 20% ज्यादा गैस दी जाएगी। इसके बाद राज्यों को मिलने वाली कुल सप्लाई संकट से पहले के स्तर (प्री-क्राइसिस लेवल) के 50% तक पहुंच जाएगी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव डॉ. नीरज मित्तल ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर इसकी जानकारी दी। इसमें कहा गया कि सामुदायिक रसोई, रेस्टोरेंट, ढाबों, होटलों और इंडस्ट्रियल कैंटीन को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही प्रवासी मजदूरों को प्राथमिकता से 5 किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, गैस की कालाबाजारी या गलत इस्तेमाल रोकने के लिए कदम उठाने को भी कहा गया है। यह अतिरिक्त 20% गैस खास सेक्टरों को प्राथमिकता देकर दी जाएगी। डॉ. नीरज मित्तल के पत्र के मुताबिक, यह सप्लाई सबसे पहले रेस्टोरेंट, ढाबे, होटल और इंडस्ट्रियल कैंटीन को मिलेगी।

केंद्र बोला- ढाबों-होटलों को प्राथमिकता मिले प्रवासी मजदूरों को 5 किलो के सिलेंडर दिए जाएं

## पुलिस ने लॉन्च किया मोबाइल एप

### धमकी भरी कॉल्स पर लगेगी लगाम...

# साइबर अपराध पर कड़ा प्रहार करेगा 'अभेद्य'

**चंडीगढ़ (ब्यूरो)।** हरियाणा पुलिस ने साइबर अपराध, धमकी भरे कॉल्स और रंगदारी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से 'अभेद्य' मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। यह देश में अपनी तरह का पहला मोबाइल आधारित सुरक्षा प्लेटफॉर्म है, जो नागरिकों को संदिग्ध कॉल्स, धमकी भरे संदेशों, स्टॉकिंग और डिजिटल उत्पीड़न से बचाने में सक्षम होगा। हरियाणा देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जहाँ पर इस प्रकार की अनूठी पहल की गई है। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने पुलिस मुख्यालय, सेक्टर-6, पंचकूला में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए 'अभेद्य' ऐप के फीचर्स और कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी साझा की।

यह देश में अपनी तरह का पहला मोबाइल आधारित सुरक्षा प्लेटफॉर्म, डिजिटल धोखाधड़ी रोकने में मददगार

### साइबर अपराधी लोगों को डराकर कर रहे ठगी

उन्होंने कहा कि बदलते समय में अपराधी इंटरनेट आधारित कॉलिंग, फर्जी नंबरों और डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल कर लोगों को डराने और ठगी करने का प्रयास कर रहे हैं, ऐसे में यह ऐप नागरिकों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच साबित होगा। उन्होंने कहा कि इस मोबाइल ऐप के माध्यम से डॉक्टरों, ठेकेदारों, व्यापारियों सहित आम नागरिकों को व्यापक स्तर पर सुरक्षा और राहत मिलेगी।

### ऐसे काम करेगा एप

अभेद्य' ऐप अज्ञात और संदिग्ध नंबरों से आने वाली कॉल्स और संदेशों की पहचान कर उन्हें उपयोगकर्ता तक पहुंचने से पहले ही रोक देता है। यह विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय, वर्चुअल और अनसेव्ड नंबरों की निगरानी करता है तथा संदिग्ध पाए जाने पर कॉल को स्वतः रिजेक्ट कर नंबर को ब्लॉक कर देता है। यह ऐप संदिग्ध चैट, वॉयस मैसेज, नोटिफिकेशन और वॉयस नोट को भी डिवाइस से हटा देता है। इतना ही नहीं, विदेशो से आने वाली संदिग्ध कॉल्स पर भी नजर जाएगी। वहीं दूसरी तरफ संदिग्ध कॉल करने वाले व्यक्ति को हरियाणा पुलिस द्वारा बैकहैंड से ट्रेस किया जाएगा।

### विदेशी कॉल्स चुनौती

सिंघल ने बताया कि देश के भीतर से आने वाली कॉल्स को ट्रेस करना अपेक्षाकृत सरल होता है, जबकि विदेशी नंबरों से आने वाली कॉल्स एक बड़ी तकनीकी चुनौती पेश करती हैं। उन्होंने जानकारी दी कि इस ऐप का ट्रायल 25 चयनित उपयोगकर्ताओं द्वारा किया गया, जिसमें इसकी कार्यक्षमता पूरी तरह सफल पाई गई। भविष्य में आवश्यकतानुसार इसमें और सुधार व अपडेट किए जाएंगे।

**एसपी से मिलेगा एक्सेस**

एप को डाउनलोड करने के लिए इच्छुक व्यक्ति को संबंधित जिले के पुलिस अधीक्षक से संपर्क करना होगा, जिसके उपरांत उसे अधिकृत एक्सेस प्रदान किया जाएगा।

## खबर संक्षेप

### माई भारत अभियान युवाओं को प्रेरित करेगा

**चंडीगढ़।** खेल मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि युवा शक्ति को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने के उद्देश्य से मेरा युवा भारत – मेरी जिम्मेदारी थीम पर पदयात्रा का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें युवा बड़ी संख्या में भाग लेंगे। यह आयोजन भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा हरियाणा सरकार के खेल एवं युवा कार्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न होगा। खेल मंत्री गौरव गौतम ने शनिवार को फरीदाबाद में सूरजकुंड स्थित मानव रचना यूनिवर्सिटी में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 23 मार्च को शहीदी दिवस के अवसर पर भारत सरकार द्वारा माई भारत अभियान के अंतर्गत पूरे देश में युवाओं को प्रेरित करने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

### समरसता और सौहार्द समय की जरूरत : बेदी

**चंडीगढ़।** सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि स्वामी ज्ञानानंद का गीता संदेश मिशन पूरे विश्व में भारतीय संस्कृति और सनातन ज्ञान का प्रकाश फैलाने का कार्य कर रहा है। वर्तमान समय में समाज को सद्भाव, स्नेह, समरसता और सौहार्द के संदेश की आवश्यकता है और ऐसे आध्यात्मिक आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। कृष्ण बेदी ने यह बात कैथल में आयोजित दिव्य गीता सत्संग में सम्बोधित करते हुए कही। कार्यक्रम में पूजनीय स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने उपस्थित श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक संदेश प्रदान किया।

### भाजपा कार्यकर्ताओं को संगठन के टिप्स दिए

**चंडीगढ़।** भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा में कार्यकर्ता ही संगठन की सच्ची शक्ति और रीढ़ हैं। कार्यकर्ताओं के समर्पण, अनुशासन और निरंतर परिश्रम से ही संगठन मजबूत, सक्रिय और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्ध बना रहता है। उन्होंनें कहा कि व्यक्ति निर्माण से संगठन निर्माण होता है और संगठन निर्माण से ही राष्ट्र निर्माण संभव है। भाजपा कार्यकर्ता केवल चुनावी दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य से भी कार्य करते हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 के अंतर्गत सोनीपत के मुरथल मंडल की प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित किया।

### कुरुक्षेत्र के युवक की फ्रांस में हार्ट अटैक से मौत

**कुरुक्षेत्र।** शहर के युवक की फ्रांस में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। युवक की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में मातम पसर गया। बेटे की मौत से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार ने सरकार से बेटे का शव भारत लाने की गुहार लगाई है। मृतक की पहचान गुरमेल सिंह उर्फ सोनू (35) निवासी नारायणगढ़ मोहल्ला इस्माईलाबाद के रूप में हुई। गुरमेल सिंह फ्रांस के पेरिस में रहता था और यहां पर रंग-पुताई का काम करता था। सोनू अपने पीछे पत्नी और 2 बेटियों को छोड़ गया। करीब 5 साल पहले गुरमेल फ्रांस गया था। लखवीर सिंह ने बताया कि उसका दोस्त गुरमेल सिंह साल 2021 में काम की तलाश में फ्रांस गया था।

---

नई दिल्ली में भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट में ऊर्जा, कृषि व व्यापार में सहयोग पर जोर

# हरियाणा–अफ्रीका साझेदारी से विकास को मिलेगी नई रफ्तार

**हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़**

■ मुख्यमंत्री बोले- अफ्रीका के देशों से व्यापार से आगे बढ़कर दिल का रिश्ता

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा और अफ्रीकी देशों के बीच साझेदारी से विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने भारत–अफ्रीका संबंधों को बिजनेस टू बिजनेस से आगे बढ़कर हार्ट टू हार्ट का रिश्ता बताया। मुख्यमंत्री नई दिल्ली में आयोजित भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट-2026 के तहत भारत–अफ्रीका सामरिक साझेदारी बैठक को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने की, जबकि केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीपद येस्सो नाइक भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा कृषि, पशुपालन, डेयरी, बागवानी और अन्य क्षेत्रों में अग्रणी राज्य बन चुका है। आधुनिक तकनीक, उन्नत बीज, सिंचाई प्रबंधन और कृषि-आधारित उद्योगों में अफ्रीकी देशों के साथ सहयोग की अपार संभावनाएं हैं।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निवेश, तकनीकी सहयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने ऊर्जा क्षेत्र में हरियाणा की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य ने बिजली वितरण में सुधार, 24 घंटे बिजली आपूर्ति और लाइन लॉस को लगभग 9% तक सीमित किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा अपने ऊर्जा प्रबंधन, डिजिटल गवर्नेंस और सेवा वितरण मॉडल को अफ्रीकी देशों के साथ साझा करने के लिए तैयार है।मुख्यमंत्री ने बताया कि हरियाणा देश का संभवत एकमात्र राज्य है जहां विदेश सहयोग विभाग स्थापित है, जिसकी वे स्वयं निगरानी करते हैं। इसका उद्देश्य व्यापार, निवेश, कौशल विकास और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है।

### अफ्रीका के साथ बढ़ रहा निवेश व व्यापार

उन्होंने बताया कि केन्या और तंजानिया के साथ कृषि क्षेत्र में बातचीत चल रही है, जबकि युगांडा, इथियोपिया और रवांडा में ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की संभावनाएं हैं। दक्षिणी, पश्चिमी और पूर्वी अफ्रीका में कृषि, फूड प्रोसेसिंग, डेयरी, नवीकरणीय ऊर्जा और टेक्नोलॉजी क्षेत्रों में व्यापक सहयोग के अवसर मौजूद हैं।

### जापानी कंपनी टीडीके 4000 करोड़ का निवेश करेगी

■ कंपनी का सोहना में पहले से 180 एकड़ में प्लांट

**चंडीगढ़।** विदेशी निवेशकों के लिए हरियाणा पहली पसंद है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि आए दिन विदेशी निवेशक प्रदेश में निवेश करने की इच्छा जाहिर कर रहे हैं। भारत इलेक्ट्रिसिटी इलेक्ट्रिसिटी समिट में जापानी कंपनी ने भी हरियाणा में 4 हजार करोड़ रुपये का निवेश करने की इच्छा जताई है। समिट के दौरान हरियाणा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल के साथ जापानी कंपनी टीडीके के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। उन्होंने हरियाणा में करीब 4 हजार करोड़ रुपये निवेश करके नया प्लॉट बनाने की इच्छा जताई है। कंपनी यहां बैट्री एनर्जी स्टोरेज सिस्टम यूनिट स्थापित करना चाहती है। कंपनी का सोहना में 180 एकड़ में प्लांट है।

---

मुख्यमंत्री ने पंजाब में दो रैलियों को संबोधित किया

# पंजाब में भ्रष्टाचार से तंग आकर अधिकारी भी जान देने पर मजबूर

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में पंजाब में भाजपा सरकार बनने के बाद हरियाणा की तर्ज पर महिला, किसान, मजदूर, युवा सहित सभी वर्गों के हितों की योजनाएं लागू की जाएगी। आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचार में डूबी हुई है और पंजाब को विकास के मामले में पीछे धकेल दिया है। ऐसी व्यवस्था से तंग आकर अधिकारी भी अपनी जान देने पर मजबूर है, जोकि निंदनीय है। मुख्यमंत्री शनिवार को पंजाब के लहरागागा के गांव बनारसी में युवा नेता राकेश सिंह गिल द्वारा आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब का यह इलाका अपनी अनाज मंडियों और व्यापारिक गतिविधियों के लिए पूरे क्षेत्र में प्रसिद्ध था। यह वह भूमि है जिसने हमेशा अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाई है, लेकिन आज बड़े दुःख के साथ कहना पड़ता है कि जिस धरती ने पंजाब को आर्थिक मजबूती दी, आज वहीं सरकार की अनदेखी के कारण अपनी पहचान खो रही है।

### पंजाब का किसान परेशान युवा हो चुके हताश : सीएम

**चंडीगढ़।** मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है, लेकिन जब मैं पंजाब की स्थिति को देखता हूं तो मेरा मन पीड़ा से भर जाता है। एक समय था जब पंजाब पूरे देश का सिरमौर था, चाहे खेती हो, खेल हो, सेना हो या उद्योग हो, पंजाब का नंबर सबसे ऊपर होता था। मगर, अब स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत है। आज पंजाब का किसान परेशान है, युवा हताश हैं और माताओं की आंखों में अपने बच्चों के भविष्य को लेकर आंसू हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को पंजाब के समाना के किसान पैलेस में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रो.मोहन लाल शर्मा को भारतीय जनता पार्टी का पटका पहनाकर उनका पार्टी में ज्वाइन करने पर स्वागत किया और उन्हें पार्टी में पूरा मान-सम्मान देने की बात कही। इस अवसर पर उन्होंने नवरात्र की शुभकामनाएं भी दी।

---

# अमित शाह से मिले नायब, राज्यसभा चुनाव पर फीडबैक दिया, पंजाब चुनाव को लेकर भी चर्चा

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से दिल्ली में मुलाकात की है। बताया गया है कि इस दौरान प्रदेश की मौजूदा राजनीतिक हालात व राज्यसभा चुनाव और पंजाब दौरों पर चर्चा की गई है। राज्यसभा चुनावों के परिणाम आने के बाद यह दोनों नेताओं की पहली अहम बैठक मानी जा रही है, जिससे सियासी हलकों में अटकलें तेज हो गई हैं। सूत्रों अनुसार, हरियाणा में राज्यसभा चुनाव, कांग्रेस में अंदरूनी खींचतान और प्रदेश की राजनीतिक स्थिति पर विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही हाल ही में संपन्न हुए हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र की गतिविधियों और सरकार के कामकाज की जानकारी भी केंद्रीय नेतृत्व को दी गई।राजनीतिक गलियारों में बैठक को खास तौर पर कांग्रेस के भीतर घमासान से जोड़कर देखा जा रहा है। भाजपा नेतृत्व प्रदेश में विपक्ष की स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए हैं। कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष राम कृष्ण गुर्जर द्वारा पत्नी और कांग्रेस विधायक शैली चौधरी पर क्रॉस वोटिंग के आरोप के बाद इस्तीफे की खबरों ने सियासत को और तेज कर दिया है। यह घटनाक्रम कांग्रेस की आंतरिक स्थिति को उजागर करता है, जिसका राजनीतिक लाभ भाजपा उठाने की रणनीति में दिख रही है। विश्लेषकों का मानना है कि अमित शाह और नायब सिंह सैनी की यह मुलाकात केवल औपचारिक नहीं, बल्कि रणनीतिक भी है।

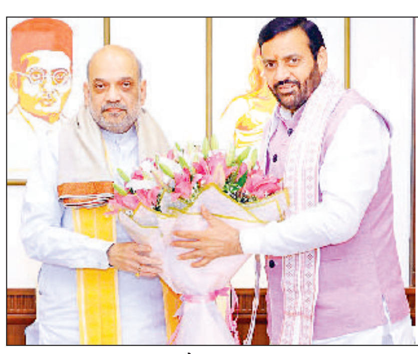

### मुख्यमंत्री पंजाब में लगातार सक्रिय

बैठक में केवल हरियाणा ही नहीं, बल्कि पड़ोसी पंजाब के आगामी चुनाव भी प्रमुख एजेंडे में रहे। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से पंजाब में पार्टी की रणनीति को लेकर मार्गदर्शन लिया। उल्लेखनीय है कि सैनी पिछले कुछ समय से पंजाब में लगातार सक्रिय नजर आ रहे हैं। वे अभियानों, जनसभाओं और राजनीतिक यात्राओं के माध्यम से वहां पार्टी की जमीन मजबूत करने में जुटे हुए हैं। ऐसे में इस मुलाकात को आगामी चुनावों की तैयारी के लिहाज से भी बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

---

# बैंक घोटाला : एचपीजीसीएल कर्मियों से हो रही पूछताछ

■ फाइनेंस डायरेक्टर हो चुका गिरफ्तार

**चंडीगढ़।** हरियाणा पावर जेनरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड ( एचपीजीसीएल) का नाम भी अब उन सरकारी विभागों में शामिल हो गया है, जिनके पैसे का दुरुपयोग बैंकिंग के नाम पर किया गया। एचपीजीसीएल में तैनात फाइनेंस डायरेक्टर अमित दीवान भी बैंक वालों के साथ में मिलकर बैंकिंग हेराफेरी का मास्टर माइंड निकला है। 590 करोड़ के धोखाधड़ी मामले में चल रही जांच का सिलसिला आगे बढ़ता जा रहा है, आए दिन एचपीजीसीएल के स्टाफ खासतौर पर वित्त विभाग, लेखा विभाग के कर्मियों, अफसरों को बुलाकर लगातार पूछताछ की जा रही है। इस क्रम में एक दिन पहले निदेशक वित्त को गिरफ्तार कर लिया गया है। राज्य सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अनुसार, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक सेक्टर-32, चंडीगढ़ और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक में दो खाते खोले गए थे, तब वह एचपीजीसीएल में फाइनेंस डायरेक्टर पद पर तैनात है। एसीबी ने अदालत में पेश किए रिमांड पेपर्स में आरोप लगाया कि सरकार द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का जानबूझकर गलत इरादे से उल्लंघन किया गया। उन्होंने मुख्य आरोपी, विशेष रूप से रिभव ऋषि के साथ मिलीभगत की और कथित तौर पर उसकी सक्रिय रूप से मदद की।

---

# ओलावृष्टि और बारिश से फसलें बर्बाद सरकार नहीं दे रही मुआवजा : ढांडा

**चंडीगढ़।** आम आदमी पार्टी राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने हरियाणा में हाल ही में हुई ओलावृष्टि, तेज बारिश और आंधी से किसानों की तबाह हुई फसलों को लेकर सरकार और मुख्यमंत्री पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में प्राकृतिक आपदा ने किसानों की साल भर की मेहनत बर्बाद कर दी, लेकिन सरकार की संवेदनहीनता इस कदर है कि अब तक न कोई ठोस सर्वे हुआ और न ही मुआवजे का कोई स्पष्ट ऐलान किया गया। अनुराग ढांडा ने कहा कि पानीपत, करनाल, कैथल, यमुनानगर, रोहतक, झज्जर, सोनीपत, भिवानी और कुरुक्षेत्र समेत कई जिलों में तेज बारिश और आंधी के कारण गेहूं और सरसों की फसल 60 से 70 प्रतिशत तक जमीन पर बिछ चुकी है।

### मंडियों में पानी भरा, सरसों की बोरियां भीगती रही

कई जगहों पर लगातार 10 से 20 एमएम तक बारिश दर्ज की गई, जिससे खेतों में पानी भर गया और फसल पूरी तरह खराब होने की कगार पर पहुंच गई। अनाज मंडियों में भी पानी भरने से सरसों की बोरियां भीगती रहीं, जिससे किसानों को दोहरी मार झेलनी पड़ी। उन्होंने कहा कि किसान कर्ज लेकर बीज, खाद और दवाई डालता है, दिन-रात मेहनत करता है, लेकिन जब प्राकृतिक आपदा आती है तो भाजपा सरकार पूरी तरह गायब हो जाती है। जिससे किसान परेशान हो चुके है।

---

# युवाओं में बढ़ते हृदयाघात के मामले चिंताजनक : सैलजा

**चंडीगढ़।** सांसद सैलजा ने हरियाणा में युवाओं के बीच तेजी से बढ़ रहे हृदयाघात (हार्ट अटैक) के मामलों पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2020 से जनवरी 2026 तक प्रदेश में 17973 लोगों की हृदयाघात से मृत्यु होना अत्यंत गंभीर और चिंताजनक स्थिति है। विशेष रूप से 18 से 45 वर्ष के युवाओं में सबसे अधिक मौतें होना समाज और सरकार दोनों के लिए चेतावनी है। कुमारी सैलजा ने कहा कि यह स्थिति केवल एक सामान्य स्वास्थ्य समस्या नहीं बल्कि एक उभरता हुआ जनस्वास्थ्य संकट है, जिस पर तुरंत ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार बढ़ते मामलों के बावजूद राज्य सरकार इस मुद्दे पर न तो कोई ठोस अध्ययन सामने ला पाई है और न ही कोई स्पष्ट नीति या कार्ययोजना प्रस्तुत कर सकी है, जिससे लोगों में असमंजस और चिंता बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं में अचानक हृदयाघात के मामलों में बढ़ोतरी के पीछे क्या कारण हैं।

■ 2020 से जनवरी 2026 तक 17973 की हार्ट अटैक से जान गई

---

### मनी एक्सचेंज ऑफिस पर फायरिंग के आरोपी पकड़े

**पानीपत।** पुलिस ने हॉस्ट फोरेक्स प्राइवेट लिमिटेड (मनी एक्सचेंज) के ऑफिस पर फायरिंग करने के आरोप में संदीप निवासी कबीरपुर व कुनाल निवासी गांव रोहणा जिला सोनीपत और कृष्ण निवासी कोटा मोहल्ला को गिरफ्तार किया है।

---

# 37 दिन बिना मुखिया चला ऊर्जा विभाग अब आशिमा बराड़ के हाथों में कमान

**योगेंद्र शर्मा ▶▶ चंडीगढ़**

सूबे का ऊर्जा विभाग एक माह से ज्यादा वक्त मुखिया विहीन रहा, जिसके कारण कामकाज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बतौर वित्त मंत्री बजट पेश कर और सत्र से फ्री होकर प्रशासनिक फेरबदल कर ऊर्जा विभाग की कमान भी सौंप दी है। अब एक बार फिर से विभाग की कमान वरिष्ठ आईएएस आशिमा बराड़ के पास रहेगी। यहां पर बता दें कि ऊर्जा विभाग की कमान केंद्र से हरियाणा आए वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्यामल मिश्रा के हाथों में थी। लेकिन एक बार फिर से केंद्र जाने के इच्छुक श्यामल मिश्रा आधे अधूरे मन से कामकाज करते रहे। कुल मिलाकर 37 दिनों के बाद में ऊर्जा विभाग को आशिमा बराड़ के हाथों में सौंपा गया है। वैसे, पहले भी ऊर्जा विभाग की कंपनियों को वे संभालती रहीं हैं। अनुभवी और साफ सुथरी छवि की अधिकारी आशिमा बराड़ अहम पदों और अहम जिम्मेदारियों के बीच भी मृदुभाषी और होनहार अफसरों में गिनी जाती हैं।

### श्यामल मिश्रा के केंद्र जाने के बाद से पद खाली था

यहां पर यह भी बता दें कि फरवरी में सरकार ने 1996 बैच वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्यामल मिश्रा को ऊर्जा विभाग प्रधान सचिव पद से रिलीव कर सेवाएं केंद्र सरकार को सौंप दी थीं। केंद्र में उन्हें दूरसंचार विभाग के अंतर्गत डिजिटल भारत निधि में एडमिनिस्ट्रेटर के पद पर नियुक्ति मिली है। श्यामलमिश्रा के जाने के बाद ऊर्जा विभाग का कामकाज लिंक ऑफिसर के भरोसे चल रहा था। लिंक ऑफिसर के पास पहले से ही अन्य विभागों का जिम्मा होने के कारण ऊर्जा विभाग के दैनिक कार्यों पर पूरा फोकस नहीं होना स्वाभाविक बात थी। फाइलों का लंबित होना और निर्णय प्रक्रिया में देरी होना भी चर्चा का विषय बना रहा। बराड़ पहले बजट सत्र में व्यस्त रहीं हरियाणा सरकार और आला अफसरों का ध्यान ऊर्जा विभाग की तरफ कम ही गया।

### विभाग में कई अहम फाइलें लंबित, अब तेजी की उम्मीद

भरोसेमंद उच्चपदस्थ सूत्रों के अनुसार, कई अहम फाइलें लंबित चल रहीं थी। अब अफसर के कमान संभालने के साथ ही तेजी से निर्णय लेने की आवश्यकता होगी। नई नियुक्त आयुक्त एवं सचिव आशिमा बराड़ को अनुभवी और दूरदर्शी निर्णय लेने वाले अफसरों में गिना जाता है। उन्होंने मुख्यमंत्री कार्यालय सहित विभिन्न अहम विभागों में काम किया है। उन्हें प्रशासनिक समन्वय और निर्णय क्षमता का व्यापक अनुभव है। बिजली विभाग वैसे, भी संवेदनशील और जनहित से जुड़ा विभाग है, जिसमें बराड़ का अनुभव काफी महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। ऊर्जा विभाग के लिए यह समय बेहद अहम माना जा रहा है। प्रदेश में गर्मी का मौसम दस्तक दे चुका है और हर साल की तरह इस बार भी बिजली की मांग में तेजी से बढ़ोतरी होना तय है।

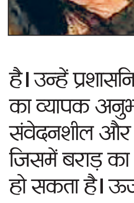


## मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय

कोलार रोड, भोपाल-462016, दूरभाष : 0755-2492095, 2492096
यूजीसी से मान्यता प्राप्त नैक A ग्रेड विश्वविद्यालय
(मध्यप्रदेश विधानसभा एक्ट 1991 द्वारा स्थापित एवं यू.जी.सी. व आर.सी.आई. से मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम)

**प्रवेश सूचना**

**बी.एड. (विशेष शिक्षा-दूरस्थ शिक्षा) ID/HI/VI/LD कार्यक्रम सत्र 2026-29**
**Duration - 2.5 वर्षीय (UGC एवं RCI से मान्यता प्राप्त)**

**अर्हता :** स्नातक/स्नातकोत्तर उपाधि या समकक्ष परीक्षा किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से 50% अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो। तकनीकी अथवा समतुल्य अर्हता वाले पाठ्यक्रम के लिये 55% अंकों की अनिवार्यता है। निम्नानुसार योग्यता होने पर छात्र को 10 अंक का अतिरिक्त अधिमान्य प्रदान किये जायेंगे। 1. निःशक्त संतान होने पर माता-पिता को। 2. किसी मान्यता प्राप्त संस्था से निःशक्तजन का प्रमाण पत्र होने की स्थिति में। 3. आर.सी.आई द्वारा मान्यता प्राप्त डिप्लोमा या डिग्री होने की स्थिति में।

**कार्यक्रम शुल्क -** सम्पूर्ण पाठ्यक्रम शुल्क रु. 36000/-, पंजीयन शुल्क रु. 800/- + पोर्टल शुल्क रु. 50/-

**प्रवेश परीक्षा -** आवंटित परीक्षा केन्द्रों पर दिनांक 06.06.2026 दिन शनिवार को CBT(Computer Based Test) आयोजित होगी।

**एम.एड. (विशेष शिक्षा-दूरस्थ शिक्षा) ID/HI/VI/LD कार्यक्रम सत्र 2026-29**
**Duration - 2.5 वर्षीय (UGC एवं RCI से मान्यता प्राप्त)**

**अर्हता-** (a) वह अभ्यर्थी जिसने किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से संबंधित दिव्यांगता क्षेत्र (दृष्टि बाधित (VI) श्रवण बाधित (HI), बौद्धिक दिव्यांगता (ID), अधिगम अक्षमता (LD), में न्यूनतम 50% अंकों के साथ बी.एड. (विशेष शिक्षा) सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया हो या किसी भी संबंद्ध विश्वविद्यालय और/या UGC द्वारा मान्यता प्राप्त किसी विश्वविद्यालय के तहत शिक्षण विभाग से RCI पंजीकरण के साथ B.Ed. (विशेष शिक्षा) के समकक्ष मानी जाने वाली कोई अन्य डिग्री उत्तीर्ण की हो। (अथवा)

(b) वह अभ्यर्थी जिसने बी.एड. सामान्य शिक्षा पाठ्यक्रम के साथ भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त संबंधित दिव्यांगता क्षेत्र में विशेष शिक्षा में डिप्लोमा (D.Ed.Spl.Edu.-ID/HI/VI/LD) सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया हो और प्रत्येक पाठ्यक्रम में न्यूनतम 50% अंकों के सफलतापूर्वक पूरा किया हो।(अथवा)

(c) विशेष शिक्षा में पी.जी.पी.डी- (ID/HI/VI/LD) डिप्लोमा उत्तीर्ण अभ्यर्थी (शैक्षणिक सत्र 2014-15 तक) (अथवा)

(d) बी.ए./बी.एस.सी./बी.कॉम, बी.एड. (विशेष शिक्षा) (4 वर्ष एकीकृत पाठ्यक्रम) उत्तीर्ण छात्र।

(e) अभ्यर्थी के पास वैध व सक्रिय आर.सी.आई. पंजीकरण होना चाहिए।

**कार्यक्रम शुल्क :** सम्पूर्ण पाठ्यक्रम शुल्क रु. 55000/- एवं पंजीयन शुल्क रु. 2000/-

**प्रवेश परीक्षा : आवंटित परीक्षा केन्द्रों पर दिनांक 06.06.2026 दिन शनिवार को CBT (Computer Based Test) आयोजित होगी।**

**दोनों कार्यक्रम हेतु प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन :** प्रवेश परीक्षा CBT (Computer Based Test) में सम्मिलित होने के लिए आवेदन पत्र mponline portal के माध्यम से दिनांक 20 मार्च 2026 से 05 मई 2026 तक एवं विलम्ब शुल्क रु. 300/- के साथ 15 मई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

**नोट :** आरक्षण म.प्र. शासन के नियमानुसार होगा। ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र परीक्षा पूर्व एम.पी. ऑनलाइन कियोस्क/पोर्टल से डाउनलोड किए जा सकेंगे। प्रवेश संबंधी विस्तृत विज्ञापन एवं जानकारी विश्वविद्यालय की बेवसाइट **http://mpbou.edu.in/** पर उपलब्ध है।

म.प्र. माध्यम/124992/2026 **कुलसचिव**



## PUBLIC NOTICE/TENDER NOTICE

| S. NO. | NAME OF DEPARTMENT/BOARD/CORP/AUTH | NAME OF WORK/NOTICE/TENDER | EMD | BID SUBMISSION START & END DATE (TIME) | WEBSITE OF THE DEPARTMENT | NODAL OFFICER/CONTACT DETAILS/EMAIL | TENDER REFERENCE NO. | TYPE OF TENDER | REMARKS |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | MC BAWANI KHERA | Maintenance and upkeep of public/community Toilets situated in Municipal Committee, Bawani Khera. (02 Years) | 01 Lacs | 20.03.2026 (03:30 PM) 06.04.2026 (06:55 PM) | etenders.hry.nic.in | secy-bawanik@ulbharyana.gov.in mc.bawanikhera1@gmail.com | 2026_HRY_509445_1 | Sanitation | Not related to HEWP portal |
| 2. | MC BAWANI KHERA | Provinding of 1 No Mahindra, AC Bolero jeep white colour, Diesel variant with driver on hire basis including fuel wear and tear and maintenance complete in all respect up to a minimum payable limit of 3000 K.M per month in MC Bawani Khera | 50,000 | 20.03.2026 (09:00 AM) 02.04.2026 (06:55 PM) | etenders.hry.nic.in | secy-bawanik@ulbharyana.gov.in mc.bawanikhera1@gmail.com | 2026_HRY_509449_1 | Hiring of Vehicle/ Misc | Not related to HEWP portal |

Sd/- Secretary
Municipal Committee, Bawani Khera

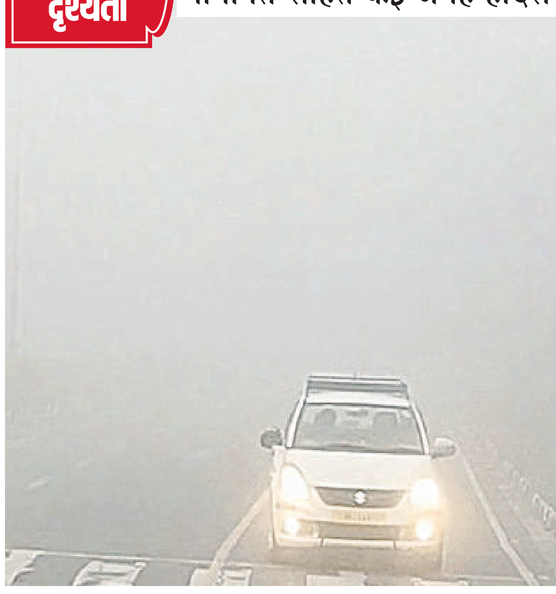

हरिभूमि
हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com | रोहतक, रविवार 22 मार्च 2026 | 3

# मार्च में जनवरी के दर्शन, अचानक छाए घने कोहरे में भिड़े दर्जनों वाहन

35 से ज्यादा लोग घायल, एनएच-44 पर लगा लंबा जाम
- तापमान में 8 से 10 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट
- धुंध के कारण 18 ट्रेनें लेट हो गई

हरिभूमि टीम ▶▶| हरियाणा

प्रदेश में 2 दिन की बारिश के बाद शनिवार सुबह अचानक जनवरी जैसे घना कोहरा छाया। जीरो विजिबिलिटी के चलते पानीपत, सोनीपत सहित कई जिलों में हाईवे पर कई वाहन आपस में टकरा गए। दर्जनों लोग घायल हो गए। पानीपत में दिल्ली-चंडीगढ़ हाईवे पर कई वाहन आपस में टकरा गए। जिससे हाईवे पर काफी देर तक जाम लगा रहा। हादसों में करीब 35 से ज्यादा लोग घायल हो गए। वहीं, सोनीपत के नेशनल हाईवे-44 पर भी धुंध में ट्रक पलटने से दर्जनों वाहन आपस में टकरा गए। लगभग चार घंटे की कड़ी मेहनत और राहत कार्य के बाद नेशनल हाईवे-44 को दोबारा खोल दिया गया। उधर, हिसार, फतेहाबाद, फरीदाबाद, भिवानी, नूंह, गुरुग्राम में भी जबरदस्त धुंध रही। 19-20 मार्च को सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण 2 दिनों तक प्रदेश में करीब 180 मिमी बारिश दर्ज की गई, तापमान में भी 8 से 10 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हुई। लगातार बारिश, बादल और ठंडी हवा चलने से सुबह- शाम ठिठुरन भी बढ़ गई है। वहीं शनिवार को धुंध के कारण 18 ट्रेनें लेट हो गई। मालवा एक्सप्रेस 4 घंटे तो वंदे भारत भी करीब 20 मिनट की देरी से चल रही है।

### एक माह बाद घना कोहरा

हरियाणा में इससे पहले 21 फरवरी को 4 से 5 जिलों में धुंध छाई थी, जिसके बाद आज करीब एक महीने बाद फिर से कोहरा छाया रहा। मौसम विज्ञानिकों के अनुसार, जब रात में धरती ठंडी होती है, तो उसके संपर्क में हवा भी ठंडी हो जाती है। जिस कारण सुबह-शाम ठिठुरन बढ़ी है।

### मौसम 26 तक रहेगा परिवर्तनशील

हकृवि के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ के अनुसार हरियाणा राज्य में 26 मार्च तक मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील रहने की संभावना है। इस दौरान दो पश्चिमी विक्षोभ आने की संभावना है। इसमें पहला पश्चिमी विक्षोभ 22 मार्च को आने की संभावना है जिसके आंशिक प्रभाव से 23 मार्च से 25 मार्च के दौरान राज्य में बीच-बीच में आंशिक बादलवाई तथा हल्की से मध्यम गति से हवाएं चलने की संभावना है तथा इसके बाद दूसरा पश्चिमी विक्षोभ 25 मार्च रात्रि को आने की संभावना है। इसके आंशिक प्रभाव से राज्य में 26 व 27 मार्च को बीच बीच में आंशिक बादलवाई, हवाएं चलने तथा कहीं कहीं छिटपुट बूंदाबांदी होने की भी संभावना बन रही है।

### दिन के तापमान में गिरावट

प्रदेश में अधिकतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। अंबाला में अधिकतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया, जो सामान्य से करीब 10 डिग्री सेल्सियस कम है।

**फसलों को नुकसान :** प्रदेश में दो दिन चली बारिश के बाद फसलों को 15 से 25 फीसदी तक का नुकसान पहुंचा है। सरकार ने नुकसान के आकलन के लिए फौरी गिरदावरी के आदेश दे दिए है।

जीपीएस टैग पिक्चर खींच सकेंगे

# पटवारी अब टैबलेट पर करेंगे सर्वेक्षण का काम

- मुख्यमंत्री ने 4,156 स्मार्ट टैबलेट खरीद की दी मंजूरी
- राजस्व सेवाओं में गलती कम होंगी, सटीकता आएगी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने राज्य भर में पटवारियों और कानूनगो के लिए 4,156 स्मार्ट टैबलेट की खरीद को मंजूरी देकर राजस्व प्रशासन में एक महत्वपूर्ण डिजिटल सुधार की शुरुआत की है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा अनुमोदित इस पहल का उद्देश्य जमीनी स्तर पर संचालन को आधुनिक बनाना, प्रक्रिया में होने वाली देरी को कम करना और राजस्व सेवाओं की समग्र डिलीवरी में सुधार करना है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की वित्तीय आयुक्त डॉ. सुमित मिश्रा ने बताया कि, दशकों से पटवारी और कानूनगो हाथ से लिखे हुए डाक्यूमेंट, हाथ से बने मैप और कागजी कार्रवाई पर निर्भर रहे हैं, जिससे यह प्रक्रिया समय लेने वाली और शारीरिक रूप से थकाऊ बन गई है।

### डेटा रिकॉर्ड होगा

इन टैबलेट्स के आने से अधिकारी अब क्षेत्रीय सर्वेक्षण कर सकेंगे, डेटा रिकॉर्ड कर सकेंगे, जीपीएस टैग वाली तस्वीरें खींच सकेंगे और जानकारी को सीधे केंद्रीय सर्वरों पर वास्तविक समय में अपलोड कर सकेंगे। वॉयस-टू-टेक्स्ट सुविधा के शामिल होने से डेटा एंट्री और भी सरल हो जाएगी, हाथ से लिखने का काम कम होगा और सटीकता में सुधार होगा।

### 5जी-एलटीई कनेक्टविटी मिलेगी

डॉ. मिश्रा ने बताया कि इन टैबलेटों में हाई लेवल की विशेषताएं होंगी, जिनमें एक बड़ा डिस्प्ले, उन्नत प्रोसेसिंग क्षमता, पर्याप्त भंडारण क्षमता और लंबी बैटरी लाइफ शामिल है, जो पूरे दिन के फील्ड वर्क में सहायक होगी। 5जी और एलटीई कनेक्टिविटी, जीपीएस-सक्षम सुविधाओं और इमेजिंग क्षमताओं के साथ कुशलतापूर्वक कार्य करने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

### क्लाउड होस्टेड लाइसेंस

सभी 4,156 टैबलेट दो साल के क्लाउड-होस्टेड लाइसेंस द्वारा समर्थित मोबाइल डिवाइस मैनेजमेंट (एमडीएम) सिस्टम से एकीकृत किए जाएंगे।

# घरेलू कलह के चलते नशेड़ी पति ने की गला घोंटकर पत्नी की हत्या

भाभी से कहा- पत्नी को मार दिया है, संभाल लेना

**कैथल (हरिभूमि न्यूज)।** कैथल के चंदाना गेट पर घरेलू कलह को लेकर शुक्रवार रात को एक व्यक्ति ने गला घोंटकर अपनी 32 वर्षीय पत्नी की हत्या कर दी। बाद में आरोपी मौके से फरार हो गया। आरोपी नशेड़ी बताया जा रहा है। मृतका शालू बठिंडा की रहने वाली थी। उसकी 2018 में कैथल निवासी अरुण से शादी हुई थी। दंपति के दो छोटे बच्चे हैं। करीब 5 साल का लड़का और 2 साल की लड़की है। बताया जा रहा है कि उसका पति अरुण नशे का आदी था और अक्सर नशा करके पत्नी के साथ मारपीट करता था। अरूण की भाभी ने बताया कि शनिवार दोपहर वह अपने कमरे में सो रहीं थी। इस दौरान उसकी देवरानी शालू और देवर अरुण अपने कमरे में मौजूद थे। अचानक अरुण उनके पास हांफते हुए आया और बोला कि उसने अपनी पत्नी को मार दिया है, संभाल लेना। इतना कहकर मौके से भाग गया। जैसे ही वह उसके कमरे में पहुंची तो उसकी देवरानी शालू बेड पर मृत पड़ी थी। मृतक महिला के परिजनों ने बताया कि आरोपी अरुण नशा का आदि था। अरूण द्वारा कोई काम धंधा न किए जाने पर उनकी बेटी खुद मेहनत मजदूरी करके घर चला रही थी। करीब 3 साल से आरोपी उसके साथ मारपीट कर रहा था।

पंजाब : जहर खाकर बनाया वीडियो

# अफसर ने की आत्महत्या मान ने मंत्री का लिया इस्तीफा

पिता के नाम पर जबरन टेंडर मांगने का लगाया आरोप ऑफिस बुलाकर मारपीट की

**अमृतसर।** पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के परिवहन मंत्री लालजीत भुल्लर का नाम लेकर सरकारी एजेंसी, वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन के अमृतसर में तैनात डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (डीएम) गगनदीप सिंह रंधावा ने सुसाइड कर लिया। रंधावा ने जहर खाकर जान दे दी। मरने से पहले उन्होंने 12 सेकेंड का वीडियो जारी किया। इसमें कहा- खा ली सल्फास, मिनिस्टर लालजीत भुल्लर के डर से, अब मैं नहीं बचता। इस घटना का पता चलते ही मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंत्री भुल्लर से इस्तीफा ले लिया। मामले की जांच चीफ सेक्रेटरी केएपी सिन्हा को सौंप दी गई है। वहीं, मंत्री लालजीत भुल्लर ने कहा कि आरोप झूठे हैं। जांच प्रभावित न हो, इसलिए मैंने पद छोड़ा है।

### पॉलिसी के हिसाब से नहीं मिला था टेंडर

वरिष्ठ अकाली नेता बिक्रम मजीठिया और अमृतसर से कांग्रेस सांसद गुरजीत औजला ने कहा- फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआई) ने मंत्री भुल्लर के इलाके में अनाज की स्टोरेज के लिए वेयरहाउस बनाया था। वेयरहाउस कॉर्पोरेशन इसकी नोडल एजेंसी थी। मंत्री लालजीत भुल्लर ने अपने पिता सुखदेव सिंह भुल्लर के नाम पर टेंडर अप्लाई किया। आरोप है कि जब पॉलिसी के हिसाब से मंत्री के पिता को टेंडर नहीं मिला तो उन्होंने घर बुलाकर डीएम गगनदीप सिंह रंधावा से मारपीट की।

सुप्रीम कोर्ट ने जताई आपत्ति

# सोशल मीडिया पर आरोपियों के फोटो-वीडियो डालना चिंताजनक

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने मोबाइल से शूट वीडियो-फोटो को तुरंत सोशल मीडिया पर अपलोड करने के ट्रेंड पर कड़ी चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा- इससे निष्पक्ष सुनवाई प्रभावित होती है और आरोपियों के खिलाफ पहले ही माहौल बन जाता है। सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने शुक्रवार को एक याचिका पर सुनवाई की।

इसमें कहा गया है कि पुलिस आरोपियों के वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर डालकर लोगों के मन में पूर्वाग्रह पैदा कर रही है। याचिका हेमेंद्र पटेल ने दायर की है। याचिकाकर्ता ने कहा कि पुलिस आरोपियों की हथकड़ी लगी, रस्सियों से बंधी या अपमानजनक स्थिति वाली तस्वीरें सोशल मीडिया पर डाल रही है। इससे व्यक्ति की गरिमा को ठेस पहुंचती है और जनता में पूर्वाग्रह बनता है।

### याचिकाकर्ता ने कहा हर कोई खुद को मीडिया समझने लगा

याचिकाकर्ता ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले भी राज्यों को पुलिस मीडिया ब्रीफिंग के लिए गाइडलाइन बनाने को कहा जा चुका है, जिसमें सोशल मीडिया पोस्ट भी शामिल होंगे। आज हर मोबाइल फोन रखने वाला व्यक्ति खुद को मीडिया समझने लगा है। सूर्यकांत ने कहा- यह स्थिति डिजिटल अरेस्ट जैसी बनती जा रही है। छोटे शहरों में लोग खुद को मीडियाकर्मी बताकर गाड़ियों पर स्टीकर लगाते हैं और इसका गलत इस्तेमाल करते हैं।

## नवरात्र पर विशेष

### चतुर्थकम् -कूष्माण्डा

दुर्गा मां के चौथे स्वरूप को कूष्मांडा के नाम से जाना जाता है। नवरात्र के तीसरे दिन इनका पूजन किया जाता है। अपनी मंद-मंद हल्की हंसी द्वारा ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण भी इन्हें कूष्मांडा देवी कहा जाता है। इनका निवास सूर्यमंडल के भीतर के लोक में है। सूर्यलोक में निवास कर सकने की क्षमता और शांति केवल इन्हीं में है। इनके तेज की तुलना सूर्य से की जा सकती है। इन्हीं के तेज प्रकाश से दसों दिशाएं प्रकाशित हो रही हैं। माँ कूष्मांडा अपने भक्तों की सदैव रक्षा करने वाली है और उन्हें मनवांछित फल प्रदान करती है। कूष्मांडा देवी के उदर में तीन तरह के टापों वाला संसार बसा है। वहीं इनके चौथे रूप की कूष्मांडा देवी के नाम से जाना जाता है। इनकी आठ भुजाएं हैं। इनके सात हाथों में क्रमशः कमंडल, धनुष, बाण, कमल, पुष्प, अमृतपूर्ण कलश, चंद्र तथा गदा है। बांए हाथ में सभी सिद्धियों और निधियों को देने वाली जयमाला धारण किए हैं। इनका वाहन सिंह है। संस्कृत भाषा में कूष्मांडा कुम्हड़े को कहा जाता है। कुम्हड़े की बलि इन्हें बहुत प्रिय है। इस कारण से भी यह देवी कूष्मांडा कही जाती है। माँ कूष्मांडा देवी की उपासना नवरात्र के चौथे दिन की जाती है। भक्तगण मन से इस श्लोक को पढ़कर मां की पूजा करते हैं-*'सुरासम्पूर्णकलशं रूधिराप्लुतमेव च। दधाना हस्तपद्माभ्यां कूष्मांडा शुभदास्तु में॥'* चौथे दिन मां की पूजा करते समय भक्त का मन अनाहत मन में अवस्थित रहता है। भक्तों को शुद्ध एवं पवित्र भावना से मां की पूजा करनी चाहिए। भक्तों को मां की आराधना से आसानी से दुःखों से छुटकारा मिल जाता है। मनुष्य को बीमारियों से हमेशा के लिए छुटकारा मिल जाता है और उसे सभी प्रकार के सुख प्राप्त हो जाते हैं। मां की प्रेमपूर्वक भक्ति करने से भक्त की आयु, यश, बल और आरोग्यता की वृद्धि होती है।

**मुरथल में मुठभेड़: चार मार्च को बराणी में बच्चे का अपहरण कर मांगे थे पैसे**

# 5 करोड़ की फिरौती मांगने वाले बदमाशों का एनकाउंटर, पांच पकड़े

- एसटीएफ की कार्रवाई में अब तक आठ आरोपी हो चुके गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़/ सोनीपत

झज्जर जिले से बालक का अपहरण करने व पांच करोड़ रुपये की फिरौती वसूलने के मामले में शामिल आरोपियों के साथ एसटीएफ बहादुरगढ़ की बीती रात सोनीपत जिले के मुरथल में मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में दो आरोपियों के पांव में गोलियां लगी। दोनों घायलों सहित पांच आरोपी पुलिस ने हिरासत में ले लिए हैं। वहीं बदमाशों की गोलियां भी दो पुलिस जवानों को लगी, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट के चलते बचाव हो गया। अब तक इस मामले में कुल आठ आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। दरअसल, गत चार मार्च को होली खेलते समय झज्जर जिले के गांव बराणी से 9 वर्षीय बालक हुनरजीत का स्कॉर्पियो सवार बदमाशों ने अपहरण कर लिया था। आरोपियों ने बच्चे के परिजनों से पांच करोड़ रुपये की फिरौती वसूलने के बाद उसे रोहतक में छोड़ दिया था। इस मामले में एसटीएफ ने पहले मुख्य आरोपी अंतरराष्ट्रीय पैरा जूडो खिलाड़ी मोनू निवासी कंसाला और उसके साले मनीष निवासी बराणी को गिरफ्तार किया था। फिर गोविंद निवासी कंसाला को काबू किया। तीनों आरोपियों से दो करोड़ 63 हजार 400 रुपये रिकवरी हुई थी।

बहादुरगढ़। मुठभेड़ के दौरान घायल बदमाश व एसटीएफ टीम। फोटो : हरिभूमि

### आत्म समर्पण के बजाय बदमाशों ने पुलिस पर की फायरिंग

इंस्पेक्टर राकेश कुमार की अगुवाई वाली एसटीएफ बहादुरगढ़ को सूचना मिली कि आरोपी मुरथल थाना क्षेत्र के गांव मेहंदीपुर में छिपे हैं। रात को ही मौके पर पहुंचकर टीम ने घेराबंदी की। आरोप है कि आत्म समर्पण करने के बजाय बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। एएसआई विकास व धर्मवीर को गोलियां लगी लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट के चलते बचाव हो गया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने फायरिंग की तो चितरंजन उर्फ मनजीत तथा विश्वजीत उर्फ विन्नी निवासी कंसाला के पांव में गोलियां ली। उनके अन्य तीन साथी दीपांशु उर्फ छोटा, अशोक उर्फ शौकी निवासी मकड़ोली तथा रोहित निवासी भाली आनंदपुर भी हिरासत में ले लिए गए। आरोपियों से दो पिस्तौल व कारतूस बरामद हुए। चितरंजन व विन्नी मामले में किडनैपर रहे हैं। जबकि अशोक ने इनको शरण दी। पूछताछ में आरोपियों से अन्य अहम मामलों, वारदातों के खुलासे की संभावना है।

**कैथल में फैक्ट्री वर्कर्स को बंधक बनाकर डाली थी डकैती**

## 5 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

**कैथल।** फैक्ट्री में बंधक बनाकर डकैती की वारदात को अंजाम देने के मामले में 5 हजार रुपये के इनामी बदमाश को काबू किया गया है। चीका निवासी अमित कुमार की शिकायत अनुसार उसने गांव माजरी मे शिव कैलाश ग्रीन एनेर्जी के नाम से फैक्ट्री लगा रखी है। 19/20 जनवरी की रात करीब 3 बजे पर उसके पास फैक्ट्री से फोन आया कि फैक्ट्री में चोरी हो गई है। फैक्ट्री में आया वहां पर उसने देखा कि वर्कर काफी घबराए हुए थे। वर्कर नवीन कुमार निवासी कैलरम ने बताया कि वह फैक्ट्री मे सोए हुए थे तो सुबह करीब 2 बजे चार लड़के कमरे के अंदर आए। उन लोगों ने अपना अपना मुंह ढका हुआ था और हाथ मे लाठी, इंटे ली हुई थी। उन लोगों ने उसको चोट का भय दिखाकर मारपीट करके उसके हाथ पैर बांधकर कहा कि यदि शोर मचाया तो जान से मार देंगे। इसके बाद उससे पूछा कि फैक्ट्री में कौन-कौन है व कितना कैश है। नवीन ने बताया कि कैश तो मालिक अपने साथ ले जाता है और अन्य वर्कर दूसरे कमरे में सो रहे है। उसके बाद उन लोगों ने दूसरे कमरे में सो रहे रोशन कुमार व भोला को भी बांध दिया। उक्त सभी लड़के फैक्ट्री के ट्रांसफार्मर का सामान व कैमरे की डीवीआर चोरी करके ले गए। जिस बारे थाना गुहला में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपी जिला जींद के गांव कहसुन निवासी संजय उर्फ धोला को काबू कर लिया गया। मामले में पहले ही 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपी संजय पर 5 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

**बच्चों से जुड़े मामले में मांगी गई थी रिपोर्ट**

## टटीरी के निर्देशकों ने बाल आयोग के समक्ष पक्ष रखा, दी सफाई

- निर्देशक के बयान के बाद बादशाह की बढ़ सकती हैं मुश्किलें
- बाल आयोग ने दस्तावेजों की जांच के बाद आगे की कार्रवाई के दिए संकेत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

हरियाणा राज्य बाल संरक्षण आयोग के समक्ष भेजे गए और लिखित पक्ष में टटीरी गाने के निर्देशक जोबन संधू व महावीर सिंह संधू ने कहा कि टटीरी गाने में उनकी भूमिका टेक्निकल इश्यू और वीडियो निर्देशन तक सीमित रही है। गाने के बोल, वीडियो प्रजेंटेशन और थीम पूरी तरह से बादशाह और उनकी टीम का है। गाने के बोल को एडिट करने का अधिकार भी उनकी टीम के पास ही था। इधर, आयोग के समक्ष निर्देशकों ने दावा किया कि टटीरी गाने को बादशाह ने खुद यूट्यूब से हटाया था। जबकि स्कूल बस का प्रयोग करने की अनुमति ली गई थी। संधू के इस बयान के बाद बादशाह की मुश्किलें और अधिक बढ़ गई है। स्मरणीय है कि 14 मार्च को हरियाणा राज्य बाल संरक्षण आयोग ने टटीरी गाने के गाय बादशाह और निदेशक संधू ब्रदर्स को समन भेजकर तलब किया था। अब, आयोग ने सभी शिकायतकर्ताओं को भी चिट्ठी भेजकर निर्देशकों के पक्ष से भी अवगत कराया है। गौरतलब है कि बादशाह का टटीरी गाना एक मार्च को रिलीज हुआ था। गाने के रिलीज होने के साथ ही इसमें बादशाह के बोल और लड़कियों के सीन को लेकर कई सामाजिक संगठनों ने आपत्ति जताई थी। जिसके बाद हरियाणा महिला आयोग और बाल संरक्षण आयोग ने इस पर संज्ञान लिया था। संधू ने अपने पक्ष में कहा कि गाने की वीडियो में शामिल सभी कलाकार बालिग है। जबकि स्कूली ड्रेस पहनकर अभिनय करने वाले सभी प्रोफेशनल डांसर हैं।

### पानीपतः युवक की चाकूओं से गोदकर हत्या

**पानीपत।** पानीपत में कुटनी रोड पर गंदे नाले के पास बदमाशों ने शनिवार की देर रात अश्वनी निवासी जगदीश नगर मूल निवासी उत्तर प्रदेश की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। अश्वनी की उम्र करीब 18 साल थी। थाना किला पुलिस ने अश्वनी के सब का पंचनाम भर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। अश्वनी गोलगप्पे बेचकर अपना और अपने परिवार का पेट पाल रहा था । अश्वनी की हत्या क्यों की गई, इसकी थाना किला पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस वारदात स्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से हत्यारों की पहचान करने में जुटी है।

### एक करोड़ की हेरोइन के साथ महिला सहित तीन नशा तस्कर पकड़े

**फतेहाबाद।** हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की फतेहाबाद यूनिट ने नशा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब एक करोड़ रुपये कीमत की 530 ग्राम हेरोइन बरामद कर तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में दो पुरुष और एक महिला शामिल हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम को सूचना मिली थी कि कुछ नशा तस्कर एक गाड़ी में भारी मात्रा में हेरोइन लेकर जाने वाले हैं। पुलिस ने एक संदिग्ध वाहन को रोका और उसमें सवार लोगों से पूछताछ की। पुलिस टीम ने जब तलाशी ली तो इस दौरान आरोपियों के कब्जे से 530 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने तीनों लोगों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान प्रदीप उर्फ प्रीत निवासी कराला जिला मोहाली, धर्मबीर उर्फ काला निवासी थरबा तथा सपना रानी निवासी बादलगढ़, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई है।

### डूल्ट के सरकारी स्कूल में निकला सांप, बच्चों में मची अफरा-तफरी

**भूना।** गांव डूल्ट स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को उस समय हडकंप मच गया, जब स्कूल परिसर में अचानक सांप दिखाई दिया। सांप को देखते ही विद्यार्थी और स्टाफ में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। एसपीसीए सदस्य एवं स्नेक रेस्क्यू एक्सपर्ट नवजोत सिंह ढिल्लों को सूचना दी। नवजोत सिंह ढिल्लों टीम के साथ मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू किया।

## अज्ञात आईडी से गेट पास काटने पर इंस्पेक्टर निलंबित

- पिपली मंडी में संदिग्ध गेट पास से 3 करोड़ का भुगतान अटका
- 27 आढ़तियों का धान उठान दिखा कर चार राइस मिलों में भेजा रिकॉर्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक विभाग के इंस्पेक्टर कुलदीप सिंह को विभाग ने निलंबित कर दिया गया है। इसके साथ ही उन्हें पलवल कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। उन पर फर्जी आईडी से गेट पास काटने का आरोप है। हालांकि उनके निलंबन आदेश में कार्रवाई का कारण नहीं लिखा है। जबकि आढ़तियों का कहना है कि इन्हीं गेट पास का करीब तीन करोड़ का भुगतान अटका हुआ है। आढ़ती एसोसिएशन के महासचिव धर्मपाल मथाना का कहना है कि पिपली अनाज मंडी में धान खरीद में छह अक्तूबर को एक साथ कई गेट पास काटे गए थे। अनजान आइडी से काटे गए इन गेटपास की लोकेशन मैच नहीं कर रही थी। यह मामला सामने आने पर सभी गेट पास का भुगतान रोक दिया गया था। इसी के चलते आढ़तियों ने उपायुक्त से मुलाकात इस समस्या को उठाया था।

इस मामले पर अधिकारियों की ओर से बार-बार जांच जारी होने की बात कही जा रही है। इन गेट पास से करीब 27 आढ़तियों की दुकानों से करीब तीन करोड़ रुपये का धान उठाया गया है, जिसे चार राइस मिल में भेजा गया दिखाया गया है। एसोसिएशन ने गत दिनों ही चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, खाद्य आपूर्ति विभाग के मंत्री राजेश नागर से मुलाकात की थी। मुख्यमंत्री ने भी आढ़तियों को इसकी पूरी जांच करवाने का आश्वासन दिया था।

**रोहतक डिपो के ड्राइवर-कंडक्टर ले जा रहे थे सिरसा**

## डिवाइडर पर फंसी रोडवेज बस 30 सवारियों की जान अटकीं

- सवारियों में मची अफरा तफरी, सुरक्षित निकाले गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

नेशनल हाइवे पर रोडवेज की किलोमीटर स्कीम के बस ड्राइवर ने सवारियों की जान जोखिम में डालने का काम किया। ड्राइवर ने जान बूझकर बस को डिवाइडर के ऊपर से निकालने की कोशिश की। मगर बस निकली नहीं और वहां फंस गई। काफी देर तक बस डिवाइडर पर ही फंसी रही। बाद में सवारियों को नीचे उतार कर दूसरी बस में चढ़ाकर गंतव्य की ओर रवाना किया गया।

डिवाइडर पर फंसी रोडवेज बस।

फिर क्रेन मंगवा कर बस को डिवाइडर से नीचे उतार कर आगे ले जाया गया। जानकारी के अनुसार, हरियाणा राज्य परिवहन की रोहतक डिपो की किलोमीटर स्कीम के तहत संचालित बस को लेकर ड्राइवर-कंडक्टर हिसार होते हुए सिरसा की ओर आ रहे थे। बस में 30 से ज्यादा सवारियां थी। इसी दौरान ड्राइवर बस को फ्लाईओवर की तरफ ले गया, जबकि सर्विस रोड वाला कट पीछे रह गया। बाद में जब उसे कट पीछे रहने का अहसास हुआ, तो उसने बस को डिवाइडर पर ही चढ़ाकर सर्विस रोड पर चढ़ाने की कोशिश की। मगर बस फंस गई। ड्राइवर ने काफी जोर लगाया, लेकिन बस नीचे नहीं उतरी। बताया जा रहा है कि आगे के कट से वापस बस को मोडक़र लाने में लगने वाले समय को बचाने के चक्कर में ड्राइवर ने यह लापरवाही बरती। वहां से गुजर रहे कुछ लोगों ने फंसी हुई बस की वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दी। इसके बाद वीडियो वायरल भी हो गया।

ऊपर वाले से मिला वरदान
मेरे पास है हर समाधान
करो प्रेमिका / पति मुट्ठी में
जो व्यक्ति वास्तव में परेशान है, वो ही फोन करें।
गुरू कबीर जी रजि.
की जुबान पत्थर की लकीर है।
आपकी हर समस्या का समाधान
जैसे:- शादी, कारोबार, पढ़ाई में रुकावट, सास बहु, मिया बीवी में अनबन, सौतन, दुश्मन नाश, ग्रह क्लेश, बेटा / बेटी / पति - पत्नी किसी के वश में कहना न मानता हो, पशु, फसल में नुकसान, कोर्ट-कचहरी मुकदमा जैसी सभी समस्याओं का गारन्टीड समाधान। पाँच मिनट में समाधान
एक फोन करो समाधान पाओ
9711428545
स्पेशलिस्ट : वशीकरण, मनचाहा प्यार

सूचना
सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

## क्रास वोटिंग पर नहीं थमा सियासी घमासान

- नौ विधायक पार्टी लाइन से हटने पर चिंतन में जुटे कांग्रेसी दिग्गज
- दो मुस्लिम विधायकों का भी भाजपा के कमल की ओर झुकाव

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| चंडीगढ़

भले ही राज्यसभा की दो सीटों को लेकर हरियाणा से एक सीट कांग्रेस और दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी के खाते में चली गई है। लेकिन भाजपा संगठन के पदाधिकारी व निर्दलीय सतीश नांदल को लेकर बनाई गई रणनीति बनाकर भाजपा के सियासी दिग्गजों ने एक तीर से कई निशाने साधने का काम किया है। भले ही पांच विधायकों को कारण बताओ नोटिस देकर एक सप्ताह में जवाब देने को कहा है, साथ ही उन पर कार्रवाई की तलवार लटक गई है।

अतीत में भी राज्यसभा की सीटों को लेकर खेला चलता रहा है। लेकिन राज्यसभा की सीटों को लेकर वोटिंग और मतगणना के गणित को सुलझाने में बड़े बड़े उलझ जाते हैं। इसलिए अब वोटिंग सिस्टम बदलने की मांग भी उठने लगी है। अपना नाम नहीं प्रकाशित करने की शर्त पर कांग्रेस और भाजपा दोनों ही पार्टियों के नेता, विधायक इस पर तमाम सुझाव देते हैं, साथ ही इसे भी ईवीएम और डिजिटल उपकरणों से करने की मांग करने लगे है। राज्यसभा चुनाव में तीसरे प्रत्याशी के उतरने के साथ ही 9 विधायकों के पार्टी लाइन से हटकर वोटिंग करने के बाद अब आने वाले वक्त के लिए बहस छिड़ गई है। पांच दागियों को नोटिस थमा चुकी कांग्रेस के सामने दोहरा संकट है, इधर कुआं, उधर खाई क्योंकि विधायकों के विरुद्ध कार्रवाई करने और ज्यादा दबाव में गणित उलझ भी सकता है।

ई-नीलामी सूचना
(आग से क्षतिग्रस्त इमारत का बचा हुआ सामान और जैक्वार्ड एम के क्षतिग्रस्त हिस्से, पूरी तरह से नष्ट मशीनें और पानी से प्रभावित स्टॉक) इच्छुक खरीदारों से ई-नीलामी के लिए फॉर्म आमंत्रित किए जाते हैं। बिक्री के लिए सामान "जैसा है जहां है" के आधार पर, प्रति किलोग्राम के हिसाब से उपलब्ध है: I) आग से क्षतिग्रस्त लोहे का स्क्रैप (इमारत का बचा हुआ सामान) लगभग 15 मीट्रिक टन II) आग से क्षतिग्रस्त लोहे की चादर (इमारत का बचा हुआ सामान) लगभग 2 मीट्रिक टन, III) जल से क्षतिग्रस्त स्टॉक और IV) पूरी तरह से नष्ट हो चुकी मशीनें, जैक्वार्ड मशीन के क्षतिग्रस्त पुर्जे, जो मेसर्स ड्रीम फर्निशिंग, काबरी पक्का फाटक, लाला मांगे के पीछे, राम स्कूल, काबरी रोड, हरियाणा, पानीपत से संबंधित हैं, का निरीक्षण 23/03/26 से 26/03/26 के बीच श्री नितिन - 8810331841 से पूर्व नियुक्ति लेकर किया जा सकता है। ई-नीलामी 27/03/26 को आयोजित की जाएगी। ई-नीलामी प्रपत्रों के लिए, खुशी से मोबाइल नंबर - 9990857386 पर संपर्क करें।
साल्वर सेटलर्स प्राइवेट लिमिटेड (नीलामीकर्ता)
पता: 203, द्वितीय तल, उषा किरण बिल्डिंग, आजादपुर वाणिज्यिक परिसर आकाश सिनेमा के पास दिल्ली - 110033 या वेबसाइट से डाउनलोड करें:
www.salvorsettlers.com
ई-नीलामी फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 27/03/26 दोपहर 12:30 बजे से पहले है।

## राशिफल

**मेष** — मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। माता का सानिध्य मिलेगा। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं।

**वृष** — आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है। आय में भी वृद्धि होगी। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे।

**मिथुन** — आत्मसंयत रहें। आय में वृद्धि होगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें।

**कर्क** — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी परिवर्तन होगा। ऑफिस में उच्चाधिकारियों का सहयोग रहेगा।

**सिंह** — मन परेशान रहेगा। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी पैतृक सम्पत्ति से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

**कन्या** — परिवार का साथ मिलेगा। कुछ पुराने मित्रों से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ेगी। भाइयों का सहयोग रहगा।

**तुला** — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक कार्यों में अड़चनें आ सकती हैं।

**वृश्चिक** — धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। वाहन के रख-रखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे।

**धनु** — वाणी में मधुरता रहेगी। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। कार्यभार में भी वृद्धि होगी। धनलाभ के अवसर मिलेंगे।

**मकर** — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। नौकरी में विदेश जाना हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

**कुंभ** — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। मन परेशान हो सकता है। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं, परन्तु स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें।

**मीन** — नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। खर्च भी बढ़ेंगे। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु संयत रहें।

## शब्द पहेली - 6172

**बाएँ से दाएँ**
1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

**ऊपर से नीचे**
1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

### शब्द पहेली- 6171 का हल

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ना | म | क | मा | ना | | स | म | झ | दा | र |
| म | | र | ह | म | | म | द | न | | म |
| र | त | | | ची | | झौ | | | वा | णी |
| ख | स | | ना | न | ख | ता | ई | | रा | य |
| ना | ला | य | क | | त्म | | मा | त | ह | त |
| | | | क | था | | का | न | | | |
| प | न | घ | ट | | आ | | दा | न | वी | र |
| व | र | | ना | ना | स | सु | र | | र | वि |
| न | म | | | म | | चा | | | ता | न |
| सु | | आ | स | व | | ल | ह | र | | य |
| त | ल | ब | गा | र | | न | क | ब | ज | न |

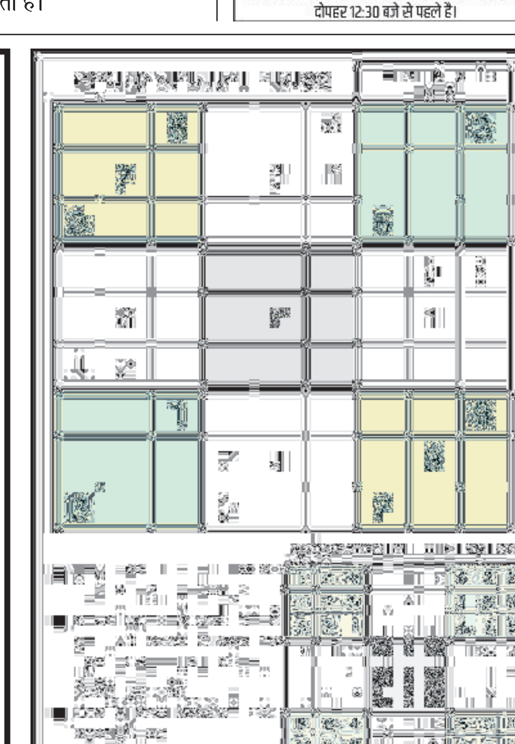

केरल

# केरल में कांग्रेस ने सांसदों को नहीं दिया विधानसभा का टिकट

एजेंसी ▶▶ कोच्चि

केरल चुनावों के लिए 37 उम्मीदवारों की दूसरी और फाइनल लिस्ट जारी कर कांग्रेस ने ये साफ कर दिया कि इन चुनावों में किसी भी सांसद को टिकिट नहीं दिया जाएगा, सीटों के बंटवारे को लेकर हंगामे और सांसदों की मांगों के बीच कांग्रेस ने 37 उम्मीदवारों की सूची में लोकसभा के किसी सदस्यों को टिकट नहीं मिला है। कांग्रेस सांसद के सुधाकरण कन्नूर सीट से टिकट मांग रहे थे वहां टी ओ मोहनन को उतारा गया है जबकि कोन्नी से टिकिट मांगने वाले एमपी अडूर प्रकाश को भी निराशा हाथ लगी वहां पार्टी ने प्रोफेसर सतीश कोच्चरम्बील को जगह दी है।

## अधिकांश विधायकों को रखा बरकरार

कांग्रेस पार्टी ने अंबलपुझा, तलिपरम्बु, पय्यनूर और ओट्टापालम में उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है, जहां सीपीएम के विद्रोही नेता जी सुधाकरन, टी के गोविंदन, वी कुन्हीकृष्णन और पीके ससी मैदान में हैं। कांग्रेस ने त्रिपुनिथरा और पेरुंबावूर को छोड़कर अपने अधिकांश मौजूदा विधायकों को बरकरार रखा है। केरल विधानसभा के 140 सदस्यों में से पार्टी 92 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि तीन निर्वाचन क्षेत्रों में वह उन बागी नेताओं को समर्थन देगी जिन्होंने सीपीएम से बगावत की है।

## पूर्व भाजपा नेता को भी टिकट

कांग्रेस ने त्रिपुनिथरा में के बाबू के स्थान पर दीपक जाय को टिकट दिया गया है। कुट्टनाड से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की धमकी देने वाले साजी जोसेफ को पूंजार से टिकट दिया गया है। युवा कांग्रेस नेता अबिन वर्गी अरनमुला से भाजपा के कुम्मनम राजशेखरन के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। वहीं नेमम से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राजीव चन्द्रशेखर के सामने पार्टी ने अपने युवा चेहरे और अरुविकरा से पूर्व एमएलए केएस सबरीनाथन को मैदान में उतारा है। कांग्रेस में शामिल हुए पूर्व भाजपा नेता संदीप वारियर को भी कासरगोड के त्रिकारिपुर से टिकट दिया गया है।

## केरल : भाजपा ने 11 उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की

भाजपा ने केरल विधानसभा चुनाव के लिए 11 उम्मीदवारों की अपनी तीसरी सूची शनिवार को जारी की। पार्टी ने तिरुवनंतपुरम से करमना जयन को उम्मीदवार बनाया है। सूची के अनुसार, पुथुपल्ली से रवीन्द्रनाथ वकत्थानम को, चवरा से के आर राजेश को, चदयामंगलम से आर एस अरुण राज को और पीरुमाडे सीट से वी रतीश चुनाव मैदान में उतरेंगे। विवेक गोपन को अरुविक्करा सीट, टी एन सुरेश को कोवलम और एस राजशेखरन नायर को नेय्याट्टिनकारा सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। पार्टी ने मावेलिक्करा सीट से अजिमोन, चिरायिनकीझु से बी एस अनूप और अदूर सीट से पंडालम प्रतापन को उम्मीदवार बनाया है।

पुडुचेरी

## एनडीए में सीट शेयरिंग का तय हुआ फार्मूला, 10 सीटों पर लड़ेगी भाजपा

**पुड्डुचेरी।** केंद्र शासित प्रदेश पुडिचेरी की 30 सीट के लिए एनडीए में सीट शेयरिंग का काम पूरा हो गया है। पुडुचेरी में एनडीए का नेतृत्व करने वाली एआईएनआरसी कांग्रेस 16 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि भारतीय जनता पार्टी 10 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। एआईएडीएमके को 2 सीट और लक्ष्य जननायगा कक्षी को 2 सीट दी गई हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में प्रमुख दल ऑल इंडिया एन.आर. कांग्रेस और भाजपा हैं। साथ ही एआईएडीएमके और लक्ष्य जननायगा कक्षी एक साथ मिलकर एनडीए के तहत चुनाव लड़ रही हैं। एआईएनआरसी के नेता एन. रंगासामी मुख्यमंत्री हैं। एनडीए का मुख्य आधार एआईएनआरसी कांग्रेस है।

तमिलनाडु

## चुनाव से पहले साथ आए शशिकला और रामदास सभी सीटों पर साथ लड़ने की तैयारी, फार्मूला तय

**चेन्नई।** तमिलनाडु की राजनीति में 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले हलचल तेज हो गई है। एक नई राजनीतिक साझेदारी की चर्चा जोर पकड़ रही है, जिसने राज्य की सियासत को और दिलचस्प बना दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता की करीबी सहयोगी वीके शशिकला ने हाल ही में अपनी नई पार्टी ऑल इंडिया पुराची थलाइवर मक्कल मुनेत्र कषगम बनाई है। शशिकला ने घोषणा की है कि उनकी पार्टी 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अन्य समान विचारधारा वाले दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। वीके शशिकला की नई पार्टी और पीएमके संस्थापक एस रामदास की मुलाकात ने नए गठबंधन के संकेत दिए हैं। दोनों नेता साथ मिलकर 234 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। इस संभावित गठबंधन से राज्य की सियासत में हलचल बढ़ गई है और माना जा रहा है कि यह आने वाले चुनाव में बड़ा असर डाल सकता है।

### पिता और बेटे के साथ राजनीतिक मतभेद

इस बीच, रामदास के बेटे अनबुमणि रामदास ने अलग राजनीतिक रास्ता अपनाते हुए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल होकर अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम के साथ समझौता किया है। इस वजह से पिता और बेटे के बीच राजनीतिक मतभेद की भी चर्चा हो रही है।

असम

## टीएमसी ने जारी की पहली लिस्ट

**असम।** विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक हलचल भी काफी तेज हो गई है। बता दें कि असम में टीएमसी का सीधा मुकाबला भाजपा और कांग्रेस से होगा। इस बीच अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस ने असम विधानसभा चुनाव के लिए 17 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है। इस लिस्ट में कुल 17 केंडिडेट्स के नाम हैं।

पश्चिम बंगाल

## ममता बोलीं- मोदी खुद ही सबसे बड़े घुसपैठिया, आपका मतदान अधिकार नहीं छीनने देंगे

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार सुबह ईद के मौके पर एक सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने राज्य में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण की आलोचना की। मुख्यमंत्री ने सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि इस पूरी प्रक्रिया के पीछे असली दिमाग उन्हीं का है। मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा, मैं भाजपा या प्रधानमंत्री को कभी भी आपके मतदान के अधिकार छीनने नहीं दूंगी। वे अक्सर कुछ लोगों को घुसपैठिया बताते हैं। खुद वह सबसे बड़े घुसपैठिया हैं। सऊदी अरब की यात्रा के दौरान हाथ मिलाते समय या दुबई की यात्रा के दौरान गले मिलते समय वे हिंदू-मुस्लिम मुद्दों को क्यों भूल जाते हैं? लेकिन जब भी वह देश लौटते हैं, तो मतदाता सूची से कुछ लोगों के नाम हटाने के बारे में सोचते हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में संशोधन प्रक्रिया के दौरान कई नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। इस बुराई के खिलाफ मेरी लड़ाई जारी है। नामों को अंधाधुंध हटाने के इस मामले को लेकर मैंने सुप्रीम कोर्ट तक का रुख किया है। मतदाता सूची से नामों को अंधाधुंध हटाने के खिलाफ मेरी लड़ाई जारी रहेगी।

## 'प. बंगाल का हिंदू पीड़ित' सुवेंदु अधिकारी ने लगाए गंभीर आरोप

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में हिंदू पीड़ित हैं। यहां हिंदू समाज और साधु-संतों के ऊपर हमले होते हैं। उन्होंने सरकार और पुलिस पर दूसरे पक्ष के लोगों को संरक्षण देने के भी आरोप लगाए। सुवेंदु अधिकारी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, हम हिंदू हैं और सनातन धर्म के अनुयायी हैं। जो लोग हिंदुओं के हितों के लिए काम करेंगे, वही भविष्य में बंगाल पर राज करेंगे। यहां हिंदुओं की हालत अच्छी नहीं है। उन पर अत्याचार हो रहा है। हिंदू समाज की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन वह ऐसा नहीं कर रही है। उन्होंने कहा, /"बंगाल का हिंदू पीड़ित है।

# मौलवी ने पेट्रोल डाल मजदूर को लगाई आग

एजेंसी ▶▶ टोंक

राजस्थान के टोंक जिले से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक मौलवी ने एक मस्जिद में नमाज पढ़ने आए एक मजदूर पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। मौलवी ने इस घटना को उस वक्त अंजाम दिया, जब शख्स नमाज से वॉशरूम में गया था। वह बुरी तरह से झुलस गया, जिसके चलते उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी मौत हो गई।ये मामला टोंक जिले के कलमंडा गांव में हुआ था। मृतक 48 वर्षीय हकीम पिनारा है, वह प्रतिदिन नमाज पढ़ने के लिए रोजाना मस्जिद में आता था। पुलिस जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपी मौलवी फरार है। मस्जिद में हत्या का ये मामला गुरुवार का है। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है। वह जोधपुर का है और वह एक ग्रामीण की बाइक चोरी कर फरार हुआ है।

## मुख्यमंत्री सुक्खू ने किया ऐलान

# सीएम, मंत्रियों व विधायकों का वेतन कटेगा, दिहाड़ी का बढ़ेगा

एजेंसी ▶▶ शिमला

हिमाचल के सीएम सुक्खू ने बजट में सीएम, मंत्रियों, विधायकों से लेकर मुख्य सचिव से लेकर ए व बी श्रेणी कर्मचारियों-अधिकारियों के वेतन 50 से 3 प्रतिशत तक 6महीने के लिए डेफर करने की घोषणा की है। क्लास 1 और 2 के कर्मचारी और अधिकारियों का 3 प्रतिशत वेतन 6 माह तक टाला (डेफर) किया गया। मुख्यमंत्री के वेतन का 50, डिप्टी सीएम 40, मंत्री 30 और विधायक का 20 प्रतिशत डेफर करने की घोषणा की है। न्यायपालिका से भी ऐसा अनुरोध किया है।

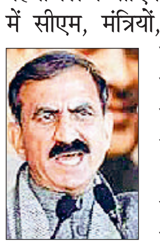

### न्यूनतम दिहाड़ी 750 की

सुक्खू ने कहा कि विधायक क्षेत्र विकास निधि को 2 करोड़ 20 लाख से घटाकर 1 करोड़ 20 लाख रुपए किया गया। ग्रेच्युटी का भुगतान भी किया जाएगा। अनुबंध कर्मचारियों को नियमित करेंगे। दिहाड़ी को 750 रुपए करने की घोषणा की।

## राष्ट्रपति ने किया पौधरोपण और 21 किमी की परिक्रमा

**मथुरा।** यहां के गोवर्धन पर्वत की पवित्र तलहटी में राष्ट्रपति ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का महत्वपूर्ण संदेश दिया। गोवर्धन में शनिवार को देश की राष्ट्रपति ने श्रद्धा भाव के साथ पवित्र गोवर्धन पर परिक्रमा शुरू की। पहले उन्होंने गोवर्धन महाराज की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। मंदिर सेवायतों ने राष्ट्रपति का माला और पटुका पहनाकर स्वागत किया। राष्ट्रपति ने परिक्रमा की शुरुआत कुछ दूरी पैदल चलकर की, जिसके बाद गोल्फ गाड़ी से करीब 21 किलोमीटर लंबी परिक्रमा पूरी की।

## एक ही समुदाय के दो पक्षों के बीच चले ईंट पत्थर ,कई जख्मी

**संभल।** यूपी के संभल में ईद की खुशियों के बीच जमकर पथराव हुआ। मामला असमोली थाना इलाके के गांव ओबरी का है। असमोली में एक ही समुदाय के दो पक्षों के बीच जमकर ईंट पत्थर चले। पथराव में कुछ लोगों के घायल होने की सूचना है। विवाद का कारण कीचड़ के बीच गाड़ी निकालने को लेकर बताया जा रहा है। ओबरी गांव में मारपीट के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एफआईआरदर्ज की है। फिलहाल गांव में शांति व्यवस्था बनी हुई है। मारपीट के कुछ वीडियो भी सामने आए हैं। वीडियो में दिख रहा है कि मुस्लिम समुदाय के कुछ लोग पथराव कर रहे हैं। पथराव के बीच गाली-गलौज भी हुआ। फिलहाल पुलिस मौके पर है और मामले की जांच कर रही है।

## राहुल ने पोस्ट में किया दावा

# चुनाव के बाद पेट्रोल-डीजल व एलपीजी की कीमतें बढ़ेंगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मिडिल ईस्ट में चल रही जंग और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का असर भारतीय मुद्रा पर भी पड़ रहा है। डॉलर के मुकाबले रुपया लगातार कमजोर हो रहा है। इसे लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केंद्र सरकार का घेराव किया। राहुल ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि रुपए का डॉलर के मुकाबले कमजोर होकर 100 की तरफ बढ़ना और इंडस्ट्रियल फ्यूल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी- ये सिर्फ आंकड़े नहीं, आने वाली महंगाई के साफ संकेत हैं। उन्होंने कहा कि सरकार चाहे इसे 'नॉर्मल' बताए, लेकिन हकीकत ये है कि उत्पादन और ट्रांसपोर्ट महंगे होंगे। एमएसएमई को ज्यादा चोट लगेगी। एफआईआई का पैसा तेजी से बाहर जाएगा, जिससे शेयर बाजार पर दबाव बढ़ेगा। हर परिवार पर असर पड़ना तय है। चुनाव के बाद पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की कीमतें भी बढ़ा दी जाएंगी।

## चुनाव आयोग ने राज्यों में ईवीएम का रैंडम आवंटन किया

निर्देशों का पालन किया जाए

# असम, केरल और पुडुचेरी में ईवीएम वीवीपैट का पहला रैंडमाइजेशन पूरा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने शनिवार को बताया कि असम, केरल और पुडुचेरी में पहला रैंडमाइजेशन पूरा हो गया है। आयोग ने इन विधानसभाओं के लिए चुनाव व 6 राज्यों में उपचुनावों का कार्यक्रम 15 मार्च को घोषित किया था। ईवीएम को 2चरणों वाली रैंडमाइजेशन प्रक्रिया के माध्यम से उनके संबंधित मतदान केंद्रों को आवंटित किया जाता है। पहले चरण में जिला स्तर के गोदामों से विधानसभा क्षेत्रों को ईवीएम का रैंडम आवंटन किया जाता है जबकि दूसरे चरण में एसी स्तर से मतदान केंद्र स्तर तक ईवीएम का रैंडम आवंटन किया जाता है।

### राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी रहे मौजूद

सभी चुनाव वाले राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के जिला निर्वाचन अधिकारियों को प्रथम स्तरीय जांच पास कर चुकी ईवीएम-वीवीपैट का पहला रैंडमाइजेशन पूरा करना होगा। असम, केरल और पुडुचेरी के आम चुनाव के साथ ही गोवा, कर्नाटक, नागालैंड और त्रिपुरा में होने वाले उपचुनावों के लिए ईवीएम का पहला रैंडमाइजेशन पूरा कर लिया गया है। पहला रैंडमाइजेशन राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में डीईओ की ओर से ईवीएम प्रबंधन प्रणालीके माध्यम से किया गया। ईवीएम और वीवीपैट की सूचियां सभी राष्ट्रीय और राज्य मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ उनके संबंधित जिला मुख्यालयों पर साझा की गई हैं।

आगे बढ़ने का रास्ता कभी-कभी

यू-टर्न से शुरू होता है

31
मार्च, 2026 से पहले
अपना अपडेटेड आयकर रिटर्न (ITR-U) दाखिल करें

आयकर विभाग को वित्तीय लेन-देन से संबंधित जानकारी विभिन्न स्रोतों से प्राप्त होती है, जैसे कि बैंक, एसआरओ (उप-पंजीयक कार्यालय), वित्तीय संस्थान, विदेशी न्यायक्षेत्र, धर्मार्थ संगठन, व्यावसायिक प्रतिष्ठान तथा कानून प्रवर्तन एजेंसियां आदि। यह जानकारी करदाताओं के साथ एआईएस, ई-वेरिफिकेशन और सक्षम नज (NUDGE) अभियानों के माध्यम से साझा की जाती है।
करदाताओं को तदनुसार सलाह दी जाती है कि वे एआईएस, ई-कैम्पेन और सक्षम नज (SAKSHAM NUDGE) से संबंधित उन संदेशों को देखें जो अप्रकाशित आय या असमर्थित कटौतियों/छूटों से जुड़े हैं, और अपने आयकर रिटर्न (ITR) की समीक्षा करें। यदि कोई आय घोषित नहीं की गई है या कोई दावा बिना उचित प्रमाण के किया गया है, तो उसे सुधारें और निर्धारित दर पर धारा 139(8A) के तहत अपना अपडेटेड ITR दाखिल करें। अपडेटेड रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा संबंधित निर्धारण वर्ष (Assessment Year) की समाप्ति से चार वर्ष तक है।

**अपडेटेड रिटर्न की मुख्य विशेषताएँ:**

- **उद्देश्य (Purpose):** स्वैच्छिक अनुपालन को बढ़ावा देना और मुकदमेबाजी को कम करना।
- **फॉर्म (Form):** अपडेटेड रिटर्न संबंधित निर्धारण वर्ष के लिए लागू आयकर रिटर्न फॉर्म (ITR-1 से ITR-7) के साथ **फॉर्म ITR-U** का उपयोग करके दाखिल किया जाना आवश्यक है।
- **अतिरिक्त कर:** ITR-U दाखिल करने पर अतिरिक्त कर का भुगतान करना पड़ता है, जिसकी दर रिटर्न दाखिल करने के समय के अनुसार अलग-अलग हो सकती है।
- **प्रतिबंध:** अपडेटेड रिटर्न हानि (Loss) का रिटर्न नहीं हो सकता, कुल कर देयता को कम नहीं कर सकता और न ही आयकर रिफंड की राशि में वृद्धि कर सकता है।

**अतिरिक्त कर की दरें:**

अतिरिक्त कर की राशि (जो देय कर और ब्याज की कुल राशि पर गणना की जाती है) इस बात पर निर्भर करती है कि रिटर्न कब दाखिल किया गया है।

| निर्धारण वर्ष के लिए - ITR U | देय अतिरिक्त कर (यदि 31.03.2026 से पहले दाखिल किया जाए) |
| --- | --- |
| AY 2024-25 | 25% अतिरिक्त कर |
| AY 2023-24 | 50% अतिरिक्त कर |
| AY 2022-23 | 60% अतिरिक्त कर |
| AY 2021-22 | 70% अतिरिक्त कर |

अधिक जानकारी के लिए तथा आयकर का भुगतान करने हेतु
www.incometax.gov.in

CBC 15401/13/0015/2526

ITR-U ट्यूटोरियल के लिए QR कोड स्कैन करें

आयकर विभाग
केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड
अधिक जानकारी के लिए: www.incometax.gov.in

ITR-U से जुड़े FAQs के लिए QR कोड स्कैन करें

@IncomeTaxIndia @IncomeTaxIndiaOffcial @IncomeTaxIndiaOffcial @Income Tax India @ Income Tax India Offcial

***अमेरिका-इज़राइल वर्सेज ईरान युद्ध ने दुनिया जहान को ऊर्जा के खतरे में डाल दिया है। ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट बंद किए जाने से खाड़ी मुल्कों को जो जबर्दस्त आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है, उसको सिर्फ स्थायी तौर पर युद्ध विराम के माध्यम से ही रोका जा सकता है। भारत अपनी आवश्यकता की लिक्विड नेचुरल गैस का आयात कतर से करता रहा है। कतर और यूएई से आने वाली लिक्विड नेचुरल गैस का कार्गो हार्मुज स्ट्रेट से गुजरता है। भारत के एलएनजी आयात का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा इसी रास्ते से गुजरकर आता है। खाड़ी देशों में छिड़ने वाला संघर्ष न केवल कच्चे तेल की कीमतों में आग लगा रहा है, अपितु यह उर्वरक संकट के माध्यम से भारत जैसे कृषि प्रधान देशों के रसोई घर तक अपनी तपिश पहुंचा रहा है, जिससे भविष्य में अनाज की पैदावार और उपलब्धता भी प्रभावित हो सकती है। भारत, चीन और ब्राजील जैसे दुनिया के तीन सबसे बड़े कृषि प्रधान देश अपनी मिट्टी की उत्पादकता को जीवित रखने के लिए भारी मात्रा में खाड़ी क्षेत्र से नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश का आयात करते हैं। पश्चिम एशिया में जारी इस जंग से बहुत दूर रहते हुए भी भारत को इसके परिणामों को भुगतना पड़ेगा। तेल और गैस आयात पर अत्यधिक निर्भरता को देखते हुए हमें न केवल तेल के भंडार बढ़ाने होंगे, बल्कि नए रास्ते तलाशने की दिशा में प्रयास और तेज करने होंगे। इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

# युद्ध से खतरनाक होंगे इसके परिणाम

**विश्लेषण**

प्रभात कुमार रॉय
विदेशी मामलों के जानकार

**आक्रामक मिसाइलों के विध्वंसकारी प्रहारों से पहले से ही कमजोर हो चुकी दुनिया जहान की ऊर्जा हिफाजत और अधिक गंभीर खतरे में चली गई है। कतर, बहरीन, सऊदी अरब आदि खाड़ी मुल्कों मुल्कों पर ईरान की मिसाइलें कहर बनकर टूट पड़ी है। तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल लगातार देखा जा रहा है। क्रूड ऑयल के विपरीत भारत के पास लिक्विड नेचुरल गैस का कोई भी स्ट्रैटेजिक भंडार नहीं है। पश्चिम एशिया में जारी जंग से बहुत दूर रहते हुए भी भारत को इस जंग के परिणामों को भुगतना पड़ेगा।**

अमेरिका और इज़राइल द्वारा 28 फरवरी को संयुक्त रूप से ईरान पर आक्रमण का अंजाम दिया गया। इस विनाशकारी युद्ध ने ईरान द्वारा इजराइली शहरों और पश्चिम एशिया के इलाके में विद्यमान अमेरिका सैन्य ठिकानों पर ड्रोनों और मिसाइलों द्वारा आक्रमण अंजाम देकर भयंकर प्रतिउत्तर प्रदान किया गया। ईरान द्वारा खाड़ी मुल्कों में अमेरिका के निकट सहयोगी मुल्कों के तेल और गैस के प्लांट्स को भी अपनी मिसाइलों से निशाना बनाया। बादशाही राजकाज वाले खाड़ी मुल्कों को यह अंदाजा भी नहीं था कि उनको ऐसे भीषण विध्वंसक युद्ध में उलझा दिया जाएगा। अमेरिका द्वारा खाड़ी देशों के बादशाही मुल्कों को सैन्य हिफाजत का आश्वासन ईरान द्वारा तहस-नहस कर दिया गया। आखिरकार अब खाड़ी मुल्कों के पास क्या विकल्प बच गया है? यही कि युद्ध जितनी जल्दी खत्म हो जाएगा, उनका नुकसान उतना ही कम रहेगा।

## खाड़ी मुल्कों को आर्थिक हानि

होर्मुज स्ट्रेट बंद हो जाने से खाड़ी मुल्कों को जो जबर्दस्त आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है उसको सिर्फ स्थाई तौर पर युद्ध विराम के माध्यम से ही रोका जा सकता है। खाड़ी देशों के बादशाही मुल्क अपना भूगोल परिवर्तित नहीं कर सकते, उनको 9 करोड़ आबादी वाले एक विशाल पड़ोसी देश ईरान के साथ सह-अस्तित्व का रास्ता निकालना ही होगा ! अन्यथा अमेरिका उनकी सैन्य हिफाजत नहीं कर सकता, यह विकट स्थिति वर्तमान युद्ध से सिद्ध हो चुकी है। हालांकि अमेरिका से दूर चले जाना बादशाही खाड़ी मुल्कों के लिए कदापि आसान नहीं होगा, क्योंकि अनेक सैन्य संधियां कम से कम 20 वर्ष की अवधि की होती है। खाड़ी मुल्कों के बड़े-बड़े क्रूड तेल और गैस उत्पादक इलाकों और भंडारों पर निरंतर अंजाम दिए जा रहे हैं। आक्रामक मिसाइलों के विध्वंसकारी प्रहारों से पहले से ही कमजोर हो चुकी दुनिया जहान की ऊर्जा हिफाजत और अधिक गंभीर खतरे में चली गई है। कतर, बहरीन, सऊदी अरब आदि खाड़ी मुल्कों मुल्कों पर ईरान की मिसाइलें कहर बनकर टूट पड़ी हैं। तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल लगातार देखा जा रहा है।

## क्रूड तेल, गैस की कीमतें बढ़ी

युद्ध प्रारंभ होने से पहले एशिया में शुरुआती ट्रेड में क्रूड तेल की कीमतें केवल 70 डॉलर प्रति बैरल थी। युद्ध के निरंतर जारी रहते किसी को ज्ञात नहीं है कि क्रूड तेल और गैस की कीमतें कहां जाकर रुकेंगी। विश्व की सबसे बड़ी नेचुरल गैस फील्ड में से एक है ईरान की साउथ पार्स गैस फील्ड।

ईरान की साउथ पार्स फील्ड पर इजरायल ने जोरदार आक्रमण अंजाम दिया। इसके तत्पश्चात ईरान ने कतर के पास रस लाफान की नेचुरल गैस फील्ड (एलएनजी) पर मिसाइल आक्रमण का अंजाम दिया। इन विध्वंसकारी आक्रमणों के तत्पश्चात तो गैस और तेल की कीमत में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया है। रास लाफान में अंजाम दिए गए ईरानी मिसाइल आक्रमण के बाद अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बयान दिया कि इजराइल भविष्य में ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर आक्रमण अंजाम नहीं देगा। इसके साथ ही डोनाल्ड ट्रंप ने यह चेतावनी भी दे दी कि अगर भविष्य में ईरान ने दोबारा कतर के रास लाफान पर आक्रमण अंजाम दिया तो अमेरिका ईरान के समस्त ऊर्जा ढांचे को तहस-नहस करके रख देगा।

## तेल व्यापार हुआ बाधित

उल्लेखनीय है कि ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर अंजाम दिए गए आक्रमण के जवाब में ईरान ने सऊदी अरब, यूएई और कतर के तेल क्षेत्रों पर आक्रमण अंजाम देने की चेतावनी पहले से जारी कर दी थी। अमेरिका-इजराइल विरुद्ध ईरान युद्ध के कारण समस्त पश्चिम एशिया के हालात बहुत अधिक विध्वंसक हो गए हैं। होर्मुज स्ट्रेट के बंद कर दिए जाने से इस जलडमरूमध्य से गुजरने वाला दुनिया का 22 प्रतिशत तेल व्यापार जबरदस्त तौर से बाधित हो गया है। उल्लेखनीय है कि भारत सहित दक्षिण एशिया के समस्त देश तेल और गैस की आपूर्ति के लिए होर्मुज स्टेट और खाड़ी देशों पर अत्याधिक तौर से निर्भर रहे हैं। कतर की रास लाफान पर अंजाम दिए गए भयानक आक्रमण से भारत की नेचुरल गैस आपूर्ति पर जबरदस्त असर पड़ने वाला है। कतर द्वारा लिक्विड नेचुरल गैस (एलएनजी) फील्ड को विकसित करने के लिए अरबों डॉलर का निवेश किया गया। ईरान द्वारा अंजाम दिए गए भीषण आक्रमण के बाद कतर का रास लाफान प्लांट बंद हो गया है। इसके करण यूरोप और दक्षिण एशिया में नेचुरल गैस की कीमतें बहुत बढ़ गई है। हालांकि कतर का एलएनजी उत्पादन एशिया के ही मुल्कों को सप्लाई किया जाता है। उल्लेखनीय है कि यह इलाका सबसे बड़े नेचुरल गैस फील्ड में एक है, जहां पर 51 ट्रिलियन क्यूबिक मीटर नेचुरल गैस का विशाल भंडार है। इस संपूर्ण क्षेत्र को ईरान और कतर दोनों समान रूप से साझा करते हैं। ईरान के आधिपत्य वाले नेचुरल गैस फील्ड को साउथ पार्स फील्ड कहा जाता है और कतर की तरफ वाले फील्ड को उत्तरी फील्ड कहा जाता है। ईरान दुनिया के पटल पर ऐसा चौथ मुल्क है जो कि अमेरिका, चीन और रूस के पश्चात गैस का सबसे बड़ा उपभोक्ता मुल्क है, साउथ पार्स फील्ड से अपनी जरूरत का तकरीबन अस्सी फ़ीसदी गैस प्रयोग करता है।

## भारत पर जंग का पड़ेगा असर

ईरान ने भी लिक्विड नेचुरल गैस उत्पादन का एक शक्तिशाली ढांचा बनाने की कोशिश अंजाम दी थी, लेकिन परमाणु कार्यक्रम के कारण आयाद किए गए वैश्विक प्रतिबंधों के कारण उसे बहुत अधिक सफलता नहीं मिल पाई है। भारत अपनी आवश्यकता की लिक्विड नेचुरल गैस का आयात कतर से करता रहा है। कतर और यूएई से आने वाली लिक्विड नेचुरल गैस का कार्गो हार्मुज स्ट्रेट से गुजरता है। भारत के एलएनजी आयात का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा इसी रास्ते से गुजरकर आता है। विनाशकारी युद्ध के बाद भी कतर के गैस प्रोसेसिंग प्लांट को दोबारा शुरू करने में तकरीबन दो हफ्ते से अधिक लग जाएंगे। क्रूड ऑयल के विपरीत भारत के पास लिक्विड नेचुरल गैस का कोई भी स्ट्रेटेजिक भंडार नहीं है। महंगी लिक्विड नेचुरल गैस भारत नहीं खरीद सकता है। पश्चिम एशिया में जारी जंग से बहुत दूर रहते हुए भी भारत को इस जंग के परिणामों को भुगतना पड़ेगा।

# उर्वरकों पर खतरा यानी रोटी पर संकट

**संकट**

दिनेश शर्मा 'दिनेश'
वरिष्ठ स्तंभकार

खाड़ी क्षेत्र में जारी युद्ध केवल सैन्य संघर्ष नहीं हैं, बल्कि यह उस 'खाद्य युद्ध' की पदचाप है जो खेतों की उर्वरता और वैश्विक पेट की भूख को सीधे प्रभावित कर सकती है। दरअसल युद्ध अपने साथ केवल प्रत्यक्ष विनाश, रक्तपात और विस्थापन ही नहीं लाता, बल्कि यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की उन सूक्ष्म धमनियों को भी बाधित करता है, जिनसे दुनिया की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा संचालित होती है। खाड़ी देशों में छिड़ने वाला संघर्ष न केवल कच्चे तेल की कीमतों में आग लगा रहा है, अपितु यह उर्वरक संकट के माध्यम से भारत जैसे कृषि प्रधान देशों के रसोई घर तक अपनी तपिश पहुंचा रहा है, जिससे भविष्य में अनाज की पैदावार और उपलब्धता पर प्रभावित हो सकती है। भारत, चीन और ब्राजील जैसे दुनिया के तीन सबसे बड़े कृषि प्रधान देश अपनी मिट्टी की उत्पादकता को जीवित रखने के लिए भारी मात्रा में खाड़ी क्षेत्र से नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश का आयात करते हैं। भारत के संदर्भ में यह निर्भरता रणनीतिक रूप से अत्यंत संवेदनशील और जोखिम भरी है। भारत अपनी यूरिया की कुल खपत का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा सीधे आयात करता है, जिसमें ओमान, सऊदी अरब और कतर जैसे देशों की भूमिका अहम है। यदि ईरान और खाड़ी देशों में जारी तनाव लंबा चलता है या पूर्ण युद्ध में बदलता है, तो यह भारत की 'खाद सुरक्षा' के लिए चिंतनीय होगा। वर्तमान स्थिति में सबसे पहली और घातक बाधा 'लॉजिस्टिक्स' और समुद्री परिवहन के मोर्चे पर आ रही है। दुनिया का लगभग एक-तिहाई समुद्री व्यापार हॉर्मुज जलडमरूमध्य के एक संकरे और तनावग्रस्त मार्ग से गुजरता है।

**भारत अपनी यूरिया की कुल खपत का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा सीधे आयात करता है। यदि ईरान और खाड़ी देशों में जारी तनाव लंबा चलता है या पूर्ण युद्ध में बदलता है, तो यह भारत की 'खाद सुरक्षा' के लिए चिंतनीय होगा।**

यदि यह जलमार्ग युद्ध के कारण अवरुद्ध होता है, तो उर्वरकों से लदे जहाज या तो बंदरगाहों पर फंस जाएंगे या उन्हें 'केप ऑफ गुड होप' (अफ्रीका) का चक्कर लगाकर हजारों मील लंबा रास्ता तय करना होगा। इससे परिवहन इतना महंगा हो जाएगा कि बंदरगाह पर उतरने वाली खाद की बोरी की कीमत किसान की पहुंच से बाहर हो जाएगी। उर्वरक संकट का दूसरा गहरा और तकनीकी संबंध 'प्राकृतिक गैस' की कीमतों से जुड़ा है। खाड़ी में युद्ध का अर्थ है वैश्विक गैस पाइपलाइनों और एलएनजी आपूर्ति में भारी व्यवधान। जब गैस की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ेंगी, तो भारत के घरेलू उर्वरक संयंत्रों की उत्पादन लागत भी अनियंत्रित रूप से बढ़ जाएगी। इसके साथ ही, चीन और ब्राजील जैसे देशों से मिलने वाली वैश्विक प्रतिस्पर्धा इस संकट को और गहरा कर देगी। यदि फसल सीजन के दौरान उर्वरक की समय पर आपूर्ति नहीं हुई, तो इसके परिणाम भयावह हो सकते हैं।

खाद की कमी का सीधा अर्थ है प्रति एकड़ पैदावार में 25 से 40 प्रतिशत तक की गिरावट। उत्पादन कम होने का अर्थ होगा बाजार में अनाज की कमी, जमाखोरी और उसके परिणामस्वरूप बेतहाशा खाद्य मुद्रास्फीति। इसके अतिरिक्त, सरकार पर 'उर्वरक सब्सिडी' का बोझ इतना बढ़ जाएगा कि वह देश के बुनियादी ढांचे और विकास कार्यों के बजट में कटौती करने पर मजबूर हो जाएगी। इस संभावित त्रासदी से बचने के लिए भारत को अब केवल 'प्रतिक्रियात्मक' नहीं बल्कि 'निवारक' रणनीति पर काम करना होगा। हम अब मोरक्को, जॉर्डन, रूस और कनाडा जैसे देशों के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौते कर रहे हैं ताकि खाड़ी क्षेत्र पर हमारी शत-प्रतिशत निर्भरता न रहे।

साथ ही, 'पीएम-प्रणाम' जैसी योजनाओं के माध्यम से वैकल्पिक उर्वरकों और नैनो यूरिया को बढ़ावा दिया जा रहा है, जो तरल रूप में होने के कारण कम मात्रा में अधिक प्रभावी होते हैं और जिन्हें भंडारित करना आसान है। भारत को अपनी 'सल्फर कोटेड यूरिया' जैसी तकनीकों को और विस्तार देना होगा ताकि मिट्टी की सेहत भी बनी रहे और आयात पर बोझ भी कम हो। खाड़ी देशों का यह संभावित युद्ध केवल मिसाइलों और टैंकों का मुकाबला नहीं है, बल्कि यह करोड़ों किसानों के हल और आम आदमी की थाली पर होने वाला प्रहार है। आवश्यकता है कि भारत अपनी 'खाद्य संप्रभुता' को सुरक्षित करने के लिए उर्वरक के क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को युद्ध स्तर पर गति दे।

# सतर्कता के बावजूद रसोई गैस बनी सबसे बड़ा मुद्दा !

**चिंतन**

सुशील देव
स्वतंत्र पत्रकार

रसोई गैस की आपूर्ति उतनी बाधित नहीं है, जितना यह प्रचारित किया जा रहा है कि देश में एलपीजी का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। केंद्र सरकार ने कई बार भरोसा दिलाया है कि ऐसी अफवाहों पर ध्यान न दिया जाए। कालाबाजारी और जमाखोरी करने वालों के साथ-साथ अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। सरकार की ओर से यह सुनिश्चित करने की कोशिश की जा रही है कि किसी भी नागरिक को घरेलू गैस के कारण परेशानी न हो। इसके बावजूद, जमीनी स्तर पर गैस को लेकर बढ़ती दिक्कतों का असर साफ दिखाई दे रहा है। कालाबाजारी करने वाले आपदा में अवसर तलाश रहे हैं, वहीं विपक्षी दल इसे मुद्दा बनाकर सरकार पर दबाव बनाने से नहीं चूक रहे हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, यदि मध्य-पूर्व का यह संघर्ष और गहराता है तो ईंधन संकट भी बढ़ सकता है। उधर, ईरान में सत्ता परिवर्तन और उसके परमाणु कार्यक्रम को समाप्त करने के नाम पर शुरू हुआ संघर्ष अब ईंधन युद्ध का रूप लेता नजर आ रहा है।दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत के पांच राज्यों-पश्चिम बंगाल, केरल, असम, पुडुचेरी और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इन राज्यों में ईंधन का मुद्दा विपक्ष के लिए बड़ा चुनावी हथियार बन सकता है। भारत में ऊर्जा संकट, खासकर घरेलू गैस (एलपीजी) की बढ़ती कीमतें और आपूर्ति संबंधी समस्याएं अब केवल आर्थिक मुद्दा नहीं रहीं, बल्कि राजनीतिक विषय बनती जा रही हैं। ऐसे में आगामी विधानसभा चुनावों पर इसका सीधा असर मतदाताओं के व्यवहार और चुनावी रणनीतियों पर पड़ सकता है।आम आदमी घरेलू गैस की बढ़ती कीमतों और आंशिक अनुपलब्धता से परेशान है। मध्यम और निम्न आय वर्ग के लिए रसोई गैस एक महंगा संसाधन बनती जा रही है। कई जगह लोग फिर से पारंपरिक ईंधनों यानी लकड़ी, कोयला और केरोसिन की ओर लौटने को मजबूर हैं। ऐसे में केंद्र सरकार के सामने पर्याप्त, सुलभ और स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराना एक बड़ी चुनौती बन गया है। वैसे देश भर में पेट्रोल या डीजल की कीमतें बढ़ने से भी लोग परेशान दिखाई दे रहे हैं। विपक्षी दल पहले से ही महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को उठाते रहे हैं। ऐसे में रसोई गैस का मुद्दा भी चुनावी मंच पर प्रमुखता से उठाया जा रहा है। संसद के भीतर और बाहर इस पर लगातार बहस हो रही है। कुछ राज्यों में ईरान–इजरायल–अमेरिका के तनाव के संदर्भ में ईंधन की संभावित कमी को लेकर सरकार पर सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि केंद्र सरकार संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रही है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसका असर दिखने लगा है। उज्ज्वला योजना के तहत कनेक्शन मिलने के बावजूद, रिफिल की बढ़ती कीमतों के कारण उपयोग घट रहा है।

***चुनाव से पहले यदि गैस सिलेंडर की कीमतों में कटौती या अतिरिक्त सब्सिडी की घोषणा होती है, तो इसका राजनीतिक लाभ सत्ताधारी दल को मिल सकता है।***

इससे योजनाओं की प्रभावशीलता पर भी सवाल उठने लगे हैं। विपक्ष इसे 'घोषणा बनाम वास्तविकता' के रूप में पेश कर रहा है, जो चुनावी दृष्टि से सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। वहीं यह भी संभावना है कि केंद्र और राज्य सरकारें एलपीजी पर सब्सिडी, उज्ज्वला लाभार्थियों को राहत और कीमतों को नियंत्रित करने जैसे कदमों के जरिए मतदाताओं को साधने की कोशिश करें। चुनाव से पहले यदि गैस सिलेंडर की कीमतों में कटौती या अतिरिक्त सब्सिडी की घोषणा होती है, तो इसका राजनीतिक लाभ सत्ताधारी दल को मिल सकता है। शहरी मतदाता पहले से ही बिजली, पानी और रोजगार जैसे मुद्दों से जूझ रहे हैं। ऐसे में घरेलू गैस की कीमतें भी उनके लिए अहम मुद्दा बन गई हैं। गैस की कमी की संवेदनशीलता को देखते हुए केंद्र सरकार सतर्क है, लेकिन अलग-अलग राज्यों की परिस्थितियों के अनुसार इसका प्रभाव भिन्न हो सकता है।यह भी सच है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है, जिस पर केंद्र सरकार का सीधा नियंत्रण नहीं है।

फिर भी आम जनता इसे घरेलू नीतियों से जोड़कर देखती है। ऐसे में सरकार के सामने चुनौती है कि वह घरेलू जरूरतों और वैश्विक परिस्थितियों के बीच संतुलन कैसे बनाए। साफ है कि रसोई गैस का मुद्दा आने वाले विधानसभा चुनावों में एक संवेदनशील और निर्णायक बन सकता है।

# बढ़ाना ही होगा इलेक्ट्रिक वाहनों का चलन

**चुनौती**

उमेश चतुर्वेदी
राजनीतिक समीक्षक

ईरान पर अमेरिकी और इजराइली कार्रवाई के बाद पेट्रोलियम पदार्थों के आयात में न सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया को कई तरह की परेशानियों और रुकावटों का सामना करना पड़ रहा है। अगर खाड़ी संकट जल्द नहीं थमा तो पहले से ही करीब अस्सी अरब डॉलर सालाना खर्च करने वाले भारत की ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियां और बढ़ सकती हैं। पेट्रोलियम कारोबार पर निगाह रखने वाले वैश्विक संस्थानों को आशंका है कि अगर ईरान-इजराइल-अमेरिका युद्ध लंबा खिंचा और इससे कच्चे तेल की कीमतों में प्रति बैरल दस डॉलर की भी बढ़ोत्तरी हुई तो भारत का पेट्रोलियम आयात खर्च पंद्रह हजार करोड़ डॉलर सालाना बढ़ सकता है।

पेट्रोलियम आयात पर होने वाली इस बढ़ोतरी के चलते भारत पर नए सिरे से आर्थिक दबाव बढ़ेगा । ऐसे में जरूरी है कि देश अपनी ऊर्जा जरूरतों को लेकर नए सिरे से विचार करे और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की तलाश की दिशा में न सिर्फ आगे बढ़े, बल्कि शोध और विकास पर भी जोर लगाए। खाड़ी संकट के बाद सिर्फ भारत ही नहीं, पूरी दुनिया को इस दिशा में सोचने को मजबूर किया है। तमाम देश वैचारिक स्तर पर पेट्रोलियम पदार्थों के विकल्पों की खोज में जुटने लगे हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर दुनिया का बढ़ता ध्यान इसी बदलती सोच का प्रतीक है। चीन ने इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने पर पिछले कुछ वर्षों में इतना जोर दिया है कि वहां एक तरह से इलेक्ट्रिक वाहन क्रांति ही आ गई है। भारत ने साल 2030 तक कुल वाहनों में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी तीस प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। ईरान संकट के पहले से ही इलेक्ट्रिक वाहनों के चलन को बढ़ावा देने की सरकारी कोशिशों से सालाना पेट्रोलियम आयात में करीब 25 हजार करोड़ की बचत होने लगी है। जिस तरह पेट्रोलियम उत्पादक खाड़ी के क्षेत्र में हालात बदल रहे हैं, उससे देश को पेट्रोलियम के विकल्प ढूंढने की दिशा में तेजी लाने और इस सिलसिले में शोध और विकास को भी गति देने की जरूरत बढ़ी है। ऐसा किए बिना देश के लिए पेट्रोल और डीजल के आयात के लिए विदेशी मुद्रा के भारी खर्च पर लगाम लगाना आसान होगा। भारत के संदर्भ में देखें, तो रसोई गैस के मोर्चे में देश ने पिछले दस वर्षों में बड़ी क्रांति को देखा है। देश के रसोई घरों में पीएनजी यानी पाइप्ड नेचुरल गैस और एलपीजी यानी लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस की खपत बढ़ी है। मौजूदा आंकड़ों के अनुसार, देश में प्राकृतिक गैस की रोजाना खपत करीब 189 मिलियन घन मीटर है, लेकिन घरेलू उत्पादन महज 97.5 मिलियन घन मीटर रोजाना ही है। करीब साठ फीसद गैस बाहर से आयात करनी पड़ती है। देश में करीब 33 लाख एलपीजी कनेक्शन हैं। इनमें दस लाख 33 हजार कनेक्शन प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत दिए गए हैं। इन कनेक्शनों पर सालाना 312 लाख टन गैस खर्च होती है। इस गैस का साठ फीसद हिस्सा आयात किया जाता है। जाहिर है कि देश का बड़ा गैस खर्च भी आयात पर ही निर्भर है। आंकड़ों के अनुसार देश की ऊर्जा स्रोत के रूप में सबसे ज्यादा खपत डीजल की है, जो कुल पेट्रोलियम खर्च का करीब करीब 38.5 फीसद है। इसके बाद पेट्रोल का नंबर आता है, जिसकी कुल ऊर्जा स्रोत के खपत में करीब 18 प्रतिशत की भागीदारी है, जबकि तीसरे नंबर पर करीब चौदह फीसद हिस्सेदारी के साथ प्राकृतिक गैस है। भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय के मार्च 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार देश में रोजाना करीब 87 करोड़ लीटर पेट्रोल की खपत होती है। जबकि देश में इसका उत्पादन महज 9.65 करोड़ लीटर ही होता है। देश की कुल पेट्रोलियम खपत का करीब 87 फीसद हिस्सा आयात करना पड़ता है। कुल एलपीजी खर्च का 60 फीसद हिस्सा आयात से पूरा किया जाता है। भारत में पारंपरिक रूप से लकड़ी के चूल्हे पर खाना पकाने का चलन रहा है। इसके लिए जलावन पारंपरिक तौर पर फसलों के साथ ही पेड़ों और जंगलों से मिलता रहा है। उन्हें बाद में स्वास्थ्य के लिए खराब माना जाने लगा। अब बदले हालात में जरूरी है कि पारंपरिक चूल्हों को विकसित करके उनकी ओर भी लौटा जाए। इसके लिए ऐसे उन्नत चूल्हे बनाए जाएं, जिससे धुआं कम से कम निकले और उनसे ऊर्जा ज्यादा मिले। समुद्री लहरों के जरिए भी बिजली बनाने पर शोध हो रहा है, इस दिशा में भी तेजी लाई जानी चाहिए। तभी जाकर हम आने वाले दिनों में ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों का ज्यादा इस्तेमाल कर सकेंगे, तब हम आयात के भारी-भरकम खर्च से बचेंगे।

**मार्च 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार भारत में रोजाना करीब 87 करोड़ लीटर पेट्रोल की खपत होती है। जबकि देश में इसका उत्पादन महज 9.65 करोड़ लीटर ही होता है।**

# ईरान युद्ध से सबक लेकर आत्मनिर्भर बने भारत

**दृष्टिकोण**

रवि शंकर
स्वतंत्र पत्रकार

पश्चिम एशिया में भड़की जंग ने दुनिया को ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है जहां हर अगला दिन एक नए खतरे का संकेत दे रहा है। यह सिर्फ दो देशों के बीच का टकराव नहीं रहा, बल्कि पूरी वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था को सीधे निशाने पर ले आया है। देखा जाये तो इजराइल ने जब ईरान के साउथ पार्स गैस क्षेत्र पर हमला किया, तो यह सीधा उस नस पर वार था जिससे पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति चलती है। जवाब में ईरान ने भी देर नहीं की और कतर के रास लफान गैस केंद्र को निशाना बना दिया। यह वही केंद्र है जो दुनिया की कुल गैस आपूर्ति का बड़ा हिस्सा संभालता है। यानी अब जंग सिर्फ सीमाओं पर नहीं, बल्कि दुनिया की रसोई और उद्योगों तक पहुंच चुकी है। तेल बाजार में हाहाकार मच गया।

कीमतें अचानक उछलकर एक सौ बीस डॉलर के करीब पहुंच गईं। यह सिर्फ आर्थिक उतार-चढ़ाव नहीं था, बल्कि उस डर का इजहार था कि फारस की खाड़ी अब बारूद का ढेर बन चुकी है, जहां से किसी भी वक्त पूरी दुनिया प्रभावित हो सकती है। बता दें, भारत अपने कच्चे तेल का 90 प्रतिशत दूसरे देशों से आयात करता है, जबकि एलपीजी 60 प्रतिशत और एलएनजी का आधे से अधिक आयात होता है। यह आपूर्ति मुख्यत खाड़ी देशों से ही होती है। इस आयात का ज्यादातर हिस्सा केवल एक अस्थिर क्षेत्र यानी पश्चिम एशिया से आता है। यही कारण है कि इस क्षेत्र में किसी भी रुकावट को नीति निर्माताओं और तेल कंपनियों के लिए तत्काल चिंता का विषय बना देता है। फिर भी, भारत के ऊर्जा योजनाकारों का तर्क है कि 1970 दशक के खाड़ी संकटों की तुलना में आज देश ऐसी बाधाओं से निपटने के लिए बेहतर स्थिति में है। पिछले कुछ वर्षों में भारत किसी एक क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता कम करने के लिए जानबूझकर अपनी कच्चे तेल की स्रोत रणनीति में विविधता लाया है। सबसे बड़ा बदलाव रूस से आयात में वृद्धि है, जो यूक्रेन संघर्ष के बाद से भारत का सबसे बड़ा कच्चे तेल का आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा है। साथ ही, भारतीय रिफाइनरियों ने अमेरिका, ब्राजील, मैक्सिको और पश्चिम अफ्रीका के उत्पादकों से तेल की खरीद बढ़ा दी है। ये सभी देश मिलकर अब भारत के कच्चे तेल की कुल मात्रा का लगभग आधा हिस्सा पूरा करते हैं, जिससे खाड़ी देशों से तेल की आपूर्ति धीमी होने पर रिफाइनरियों को आपूर्ति को संतुलित करने की सुविधा मिलती है। हालांकि, भारत के लिए खाड़ी क्षेत्र भविष्य के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत जैसे देश भारत के दीर्घकालिक कच्चे तेल अनुबंधों का एक बड़ा हिस्सा आपूर्ति करते हैं। इन देशों से आने वाला तेल जामनगर, वडीनार और पारादीप जैसे भारतीय बंदरगाहों तक पहुंचने से पहले होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है। ऐसे में इस जलमार्ग के लंबे समय तक बंद रहने से भारत की ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार संतुलन पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। साफ है, वर्तमान की इन अल्पकालिक चुनौतियों के बीच, यह संकट आयातित जीवाश्म ईंधन पर भारत की निर्भरता कम करने की आवश्यकता को मजबूती से रेखांकित करता है। भारत बढ़ती ऊर्जा मांग के बीच तेल आयात पर निर्भरता कम करने और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाया है। इथेनॉल मिश्रण, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और 500 गीगावाट नॉन-फॉसिल क्षमता लक्ष्य से देश ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। लेकिन प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों के बीच हमने जीवाश्म ईंधन के घरेलू उत्पादन को कम महत्त्व दिया है। जबकि अगले दो दशकों में जीवाश्म ईंधन काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है क्योंकि यह वह समय है, जब भारत को अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का अधिकतम लाभ उठाना होगा। होर्मुज स्ट्रेट में आपूर्ति बाधित होने पर हमें वैकल्पिक स्रोतों की आवश्यकता होगी। पश्चिम एशिया पर निर्भरता हमारे लिए केवल अस्थायी विकल्प है। हमें तेल और गैस के घरेलू अन्वेषण और उत्पादन में तेजी लानी चाहिए। हमें खाना पकाने के लिए उपयुक्त चूल्हों का उपयोग करते हुए एथनॉल के इस्तेमाल में भी तेजी लानी चाहिए। दरअसल, इस जंग ने पूरी दुनिया को यह बताया कि अब ऊर्जा खुद एक हथियार बन चुकी है। गैस संयंत्र, तेल क्षेत्र और बंदरगाह अब सैन्य निशाने हैं। अगर यह सिलसिला जारी रहा तो दुनिया को एक ऐसे ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ सकता है जो पहले कभी नहीं देखा गया। यह संकट सिर्फ पेट्रोल या गैस की कीमतों तक सीमित नहीं रहेगा। इसका असर हर घर, हर उद्योग और हर देश पर पड़ेगा। महंगाई बढ़ेगी, आपूर्ति टूटेगी और अर्थव्यवस्थाएं हिल जाएंगी। अब सवाल यही है कि क्या इस आग को बुझाने का कोई रास्ता बचा है। सच यह है कि इस समय केवल अमेरिका ही ऐसा देश है जिसके पास दोनों पक्षों को रोकने की ताकत है। लेकिन क्या ट्रंप ऐसा करना चाहते हैं, यह सबसे बड़ा सवाल है।

बहरहाल, ईरान और इजरायल-अमेरिका युद्ध का नतीजा चाहे जो भी निकले, मगर एक बात तो तय है कि भारत को अब अपनी ऊर्जा निर्भरताओं पर नए सिरे से गंभीरता से विचार करना होगा। ईरान और इजरायल-अमेरिका युद्ध इस बात की तरफ स्पष्ट इशारा है कि ऊर्जा पर आत्मनिर्भरता देश के लिए कितनी जरूरी हो गई है। ईंधन की किल्लत रक्षा क्षेत्र में एक सीमित झटके से भी कहीं अधिक राजनीति को प्रभावित कर सकती है। तेल और गैस आयात पर अत्यधिक निर्भरता को देखते हुए हमें न केवल तेल के भंडार बढ़ाने होंगे, बल्कि नए रास्ते तलाशने की दिशा में प्रयास और तेज करने होंगे।

**इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत जैसे देश भारत के दीर्घकालिक कच्चे तेल अनुबंधों का एक बड़ा हिस्सा आपूर्ति करते हैं।**

# पुरुष वर्ग में सोनीपत और महिला में गुरुग्राम बना चैंपियन

## चौथी यूथ पुरुष व महिला हरियाणा स्टेट बॉक्सिंग प्रतियोगिता

## मुक्केबाजों ने रिंग में जबरदस्त ताकत, तकनीक और संयम का परिचय दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

चौथी यूथ पुरुष व महिला हरियाणा स्टेट बॉक्सिंग प्रतियोगिता का शनिवार को समापन हुआ। शनिवार को शानदार फाइनल मुकाबले खेले गए। फाइनल मुकाबलों में रोमांच चरम पर रहा। अलग-अलग जिलों से आए युवा मुक्केबाजों ने रिंग में जबरदस्त ताकत, तकनीक और संयम का परिचय दिया। पुरुष वर्ग में 24 प्वाइंट के साथ सोनीपत चैंपियन रहा और 22 प्वाइंट के साथ रोहतक रनरअप रहा। महिला वर्ग में 25 प्वाइंट के साथ गुरुग्राम चैंपियन और 18 प्वाइंट के साथ साई एच रनरअप। प्रतियोगिता महम बॉक्सिंग क्लब में आयोजित की गई।

### हरियाणा की धरती मुक्केबाजी की नर्सरीः मेजर सत्यपाल सिंधु

हरियाणा बॉक्सिंग संघ अध्यक्ष मेजर सत्यपाल सिंधु ने खिलाड़ियों के जज्बे और अनुशासन की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि हरियाणा की धरती मुक्केबाजी की नर्सरी है। इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने जिस तकनीक और दमखम का प्रदर्शन किया है, वह यह दर्शाता है कि हमारे युवा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने मुक्केबाजों को जीत की बधाई देने के साथ-साथ हारने वाले खिलाड़ियों का भी हौसला बढ़ाया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि हरियाणा बॉक्सिंग संघ खिलाड़ियों को बेहतरीन सुविधाएं, उच्च स्तरीय कोचिंग और सही मंच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

### महिला वर्ग के विजेता

▶▶ 45-48 किलोग्राम भार वर्ग में साईं एच की गुंजन ने स्वर्ण पदक, हिसार की जिया ने रजत पदक और जींद की सिमरन व कैथल की निष्ठा तंवर ने कांस्य पदक जीते।

▶▶ 48-51 किलोग्राम में गुरुग्राम की कशिश मलिक ने स्वर्ण पदक, सोनीपत की रिद्धिमा ने रजत पदक, और पंचकूला की ज्योति व रोहतक की सिमरन ने कांस्य पदक जीते।

▶▶ 51-54 किलोग्राम में कैथल की जन्नत ने स्वर्ण पदक, कुरुक्षेत्र की महक ने रजत पदक, और जींद की ज्योति व हिसार की हिमानी पंवार ने कांस्य पदक प्राप्त किए।

▶▶ 54-57 किलोग्राम में गुरुग्राम की कंचन ने स्वर्ण पदक, झज्जर की तनीषा जांगड़ा ने रजत पदक, और भिवानी की चेष्टा व कैथल की पायल ने कांस्य पदक जीते।

▶▶ 57-60 किलोग्राम में फरीदाबाद की चाहत ने स्वर्ण पदक, सिरसा की समयरा ने रजत पदक और रोहतक की श्रुति व गुरुग्राम की कंचन ने कांस्य पदक जीते।

▶▶ 60-65 किलोग्राम में गुरुग्राम की वंशिका ने स्वर्ण पदक, रेवाड़ी की इवा यादव ने रजत पदक, और करनाल की निकिता डांगी व यमुनानगर की यशिका ने कांस्य पदक जीते।

▶▶ 65-70 किलोग्राम में सोनीपत की हंशिका ने स्वर्ण पदक, रेवाड़ी की पलचिन ने रजत पदक, और झज्जर की तेजस्वी व फरीदाबाद की मंशा ने कांस्य पदक जीते।

▶▶ 70-75 किलोग्राम में चरखी दादरी की अंशिका ने स्वर्ण पदक, साईं एच की सानिया ने रजत पदक, और गुरुग्राम की कोमल व भिवानी की रुचि ने कांस्य पदक जीते।

▶▶ 75-80 किलोग्राम में साईं एच की मेघा ने स्वर्ण पदक, झज्जर की शगुन ने रजत पदक, और हिसार की मुस्कान व भिवानी की भावना ने कांस्य पदक जीते।

▶▶ 80 से ज्यादा किलोग्राम में झज्जर की खनक ने स्वर्ण पदक, कैथल की अंतिम ने रजत पदक और जींद की सकीना ने कांस्य पदक जीता।

### पुरुष वर्ग के विजेता

▶▶ 47-50 किलोग्राम में चरखी दादरी के दीपांशु ने स्वर्ण पदक, रोहतक के अर्णव दहिया ने रजत पदक, और साईं एच के विनीत कुमार व जींद के साहिल ने कांस्य पदक जीते।

▶▶ 50-55 किलोग्राम में रोहतक के आदित्य ने स्वर्ण पदक, पानीपत के शुभम ने रजत पदक, और रेवाड़ी के जतिन व जींद के अभिनव ने कांस्य पदक जीते।

▶▶ 55-60 किलोग्राम में साईं बी के सिकंदर ने स्वर्ण पदक, साईं एच के साहिल मोर ने रजत पदक और सोनीपत के करण मलिक व गुरुग्राम के मोहित ने कांस्य पदक प्राप्त किए।

▶▶ 60-65 किलोग्राम में सोनीपत के ध्रुव ने स्वर्ण पदक, कैथल के योगेश ढांडा ने रजत पदक, और रोहतक के गौरव व भिवानी के अभि ने कांस्य पदक जीते।

▶▶ 65-70 किलोग्राम में साईं एच के वैभव ने स्वर्ण पदक, झज्जर के दीक्षित ने रजत पदक, और जींद के जहां व कुरुक्षेत्र के प्रितम ने कांस्य पदक जीते।

▶▶ 70-75 किलोग्राम में भिवानी के भव्य ने स्वर्ण पदक, रोहतक के हनी ने रजत पदक, और गुरुग्राम के कुणाल व चरखी दादरी के सूरज भारद्वाज ने कांस्य पदक जीते।

▶▶ 75-80 किलोग्राम में मेवात के लोकेश ने स्वर्ण पदक, जींद के शिवम कुंडू ने रजत पदक, और सिरसा के परमीत देशवाल व अंबाला के जतिन ने कांस्य पदक प्राप्त किए।

▶▶ 80-85 किलोग्राम में रोहतक के अवलोक धनखड़ ने स्वर्ण पदक, पंचकूला के सौरव ने रजत पदक और यमुनानगर के अमन व गुरुग्राम के लकी ने कांस्य पदक जीते।

▶▶ 85-90 किलोग्राम में साईं बी के हनी ने स्वर्ण पदक, हिसार के देवांश ने रजत पदक और गुरुग्राम के अंशुल कादियान व रोहतक के वंश ने कांस्य पदक जीते।

▶▶ 90 से ज्यादा किलोग्राम में सोनीपत के आयुष ने स्वर्ण पदक, चरखी दादरी के राहुल कुमार ने रजत पदक, और जींद के अभिमन्यु व कैथल के दिपेश ने कांस्य पदक जीते।

## राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हरियाणा पदक तालिका में शीर्ष पर

- 95 पदक जीते, इनमें 39 स्वर्ण, 31 रजत और 25 कांस्य पदक

एजेंसी ▶▶ भुवनेश्वर

हरियाणा ने 17 से 21 मार्च तक यहां आयोजित 24वीं राष्टीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 95 पदक जीतकर तालिका में पहला स्थान हासिल किया। हरियाणा ने 39 स्वर्ण, 31 रजत और 25 कांस्य पदक जीते। तमिलनाडु कुल 51 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा जिसमें 14 स्वर्ण, 20 रजत और 17 कांस्य पदक शामिल थे। गुजरात ने 14 स्वर्ण, 11 रजत और पांच कांस्य से 30 पदक जीतकर तीसरा स्थान हासिल किया। मेजबान राज्य ओडिशा कुल 17 पदकों के साथ नौवें स्थान पर रहा जिसमें पांच स्वर्ण पदक शामिल थे। इस प्रतियोगिता में 28 राज्यों के साथ सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और सेना खेल नियंत्रण कंट्रोल बोर्ड (एसएससीबी) की टीमों का प्रतिनिधित्व करते हुए कुल 1,460 पैरा एथलीटों ने हिस्सा लिया। पुरुषों की चक्का फेंक एफ11 स्पर्धा में हरियाणा के मोनू घांगस ने 35.05 मी के थ्रो से स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने राजस्थान के प्रवीण शर्मा (33.69) और आंध्र प्रदेश के नीलम संजय रेड्डी (31.34) को पीछे छोड़ा। पुरुषों की चक्का फेंक एफ51–एफ52–एफ53 स्पर्धा में, उत्तर प्रदेश के राम रतन सिंह ने 11.98मी की थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता; उनके बाद हरियाणा के प्रणव सूरमा (10.97मी) और धरमबीर (9.61मी) रहे।

टेबल टेनिस

## मानव और यशस्विनी ने जीता राष्ट्रीय टेबल टेनिस का खिताब

एजेंसी ▶▶ इंदौर

पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड (पीएसपीबी) के मानव ठक्कर और यशस्विनी घोरपड़े ने सीनियर राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में अपना पहला एकल खिताब जीता। पुरुषों के फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त मानव ने अपेक्षानुरुप प्रदर्शन करते हुए रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) के जीत चंद्र पर 4-1 (11-2 11-4 6-11 11-9 11-3) की शानदार जीत हासिल की।

इसके विपरीत महिला एकल के फाइनल में काफी कड़ा मुकाबला देखने को मिला तथा आखिर तक रोमांच बन रहा। आखिर में यशस्विनी ने अपना नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज करा लिया। उन्होंने फाइनल में पीएसपीबी की युवा खिलाड़ी सिंड्रेला दास पर 4-3 (11-6,12-14,11-5,9-11, 13-11, 6-11, 11-8) से जीत हासिल करके खिताब अपने नाम किया।

### डी विश्व ट्रॉफी से सम्मानित दिव्यांशी

मिश्रित युगल फाइनल में अंकुर भट्टाचार्जी (पश्चिम बंगाल) और सुहाना सैनी (हरियाणा) ने अनिकेत बोस और सम्प्रीति रॉय की पश्चिम बंगाल की जोड़ी को पांच गेम के रोमांचक मुकाबले में 3-2 (11-9 11-7 9-11 13-15 12-10) से हराया। इस बीच दिव्यांशी भौमिक को सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करने वाले युवा खिलाड़ी को दिए जाने वाले डी विश्व ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया और शुक्रवार को खेले गए एक कड़े मुकाबले में पिछली बार की चैंपियन दीया चिताले के सामने कड़ी चुनौती पेश की। दिव्यांशी ने एशियाई युवा चैंपियनशिप में अंडर-15 एकल में स्वर्ण पदक जीता था। इसके अलावा उन्होंने पिछले साल आईटीटीएफ युवा विश्व चैंपियनशिप में अंडर-19 का खिताब भी अपने नाम किया था।

## बीसीसीआई का बड़ा ऐलान, आयरलैंड में भिड़ेगी टीम इंडिया

**नई दिल्ली।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम इंडिया के आयरलैंड दौरे का शेड्यूल शनिवार को जारी कर दिया। भारतीय टीम 2 टी20 मैचों के लिए जून 2026 में आयरलैंड का दौरा करेगी। बीसीसीआई की ओर से जारी शेड्यूल के मुताबिक, भारतीय टीम 26 जून और 28 जून को पहला और दूसरा टी20 मुकाबला खेलेगी। दोनों मुकाबले बेलफास्ट में खेले जाएंगे। भारतीय क्रिकेट टीम का हाल के कुछ वर्षों में आयरलैंड का यह चौथा दौरा होगा। टीम इंडिया 2018, 2022 और 2023 में भी आयरलैंड के दौरे पर गई थी। वहीं, भारतीय टीम 2007 के बाद पहली बार बेलफास्ट में खेलेगी। आयरलैंड क्रिकेट टीम और आयरलैंड क्रिकेट फैंस को भारतीय टीम के दौरे का हमेशा से इंतजार रहता है। भारतीय टीम को लेकर वहां के फैंस के बीच उत्साह रहता है। बीसीसीआई आयरलैंड दौरे पर युवा खिलाड़ियों की टीम भेजती रही है।

## महिला एशियाई कप पर जापान का कब्जा

**सिडनी।** माइका हमानो के पहले हाफ में किए गए गोल की बदौलत जापान ने मेजबान ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराकर महिला एशियाई कप का खिताब जीत लिया। हमानो चेल्सी से 'लोन' पर टोटेनहम के लिए खेलती हैं। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने 17वें मिनट में बाएं ओर से मिले पास पर पेनल्टी क्षेत्र के बाहर से जोरदार शॉट लगाया। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी 10 मिनट में बराबरी के लिए पूरा दबाव बनाया, लेकिन जापान की मजबूत रक्षा पंक्ति ने उन्हें लगातार रोके रखा।

## हर मिनट 13 लाख डॉलर फूंक रहे ट्रंप

# ईरान के साथ युद्ध का शुरुआती खर्च हर अमेरिकी परिवार पर डालेगा 1400 डॉलर तक का बोझ

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन

ईरान के साथ युद्ध में अमेरिका कितनी बड़ी रकम खर्च कर रहा है। पेंटागन ने इस युद्ध को वित्तपोषित करने के लिए 200 अरब डॉलर (प्रति अमेरिकी परिवार 1,400 डॉलर से अधिक) की मांग की है, लेकिन यह भी कुल लागत को कम करके दर्शाता है। इसके बाद से इस खर्च पर बहस तेज हो गई है। युद्ध पर होने वाले खर्च यानी वित्तपोषण की विशेषज्ञ लिंडा बिलमेस कहती हैं कि वास्तविक लागत बाद में सामने आएगी। उदाहरण के लिए जो सैनिक युद्ध के दौरान किसी बीमारी से ग्रस्त हो जाते हैं या उनकी पहले से मौजूद बीमारी बढ़ जाती है, उन्हें जीवनभर लाभ और चिकित्सा देखभाल मिलेगी। यदि आज के सैनिक 1990-91 के खाड़ी युद्ध में भाग लेने वालों की तरह ही लाभ का दावा करते हैं तो केवल इस पर ही अंततः कम से कम 600 अरब डॉलर खर्च हो सकते हैं। और निश्चित रूप से इस सबकी मानवीय कीमत भी है।

▶▶ *कुल मिलाकर ईरान युद्ध करदाताओं को 1 ट्रिलियन (एक लाख करोड़) डॉलर से अधिक का पड़ेगा। पेंटागन की रिपोर्टिंग के अनुसार युद्ध के पहले छह दिनों में 11.3 अरब डॉलर खर्च हुए यानी प्रति मिनट 1.3 मिलियन डॉलर से अधिक।*

### इस युद्ध पर हो रहे खर्च को ऐसे समझें

इस युद्ध के केवल दो सप्ताह से थोड़े अधिक खर्च (लगभग 30 अरब डॉलर) में हर उस अमेरिकी परिवार को मुफ्त कॉलेज शिक्षा दी जा सकती थी, जिसकी वार्षिक आय 125,000 डॉलर से कम है। तीन सप्ताह से कम के युद्ध खर्च (लगभग 35 अरब डॉलर) में 3 और 4 साल के बच्चों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्री-के कार्यक्रम चल सकते थे। केवल 75 मिलियन डॉलर यानी युद्ध के लगभग एक घंटे के खर्च में गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले हर बच्चे को तीन मुफ्त किताबें दी जा सकती हैं, जिससे उनकी शिक्षा में सुधार होता।

### यह भी जानिये

अमेरिका में औसतन हर दो घंटे में एक महिला की सर्वाइकल कैंसर से मृत्यु होती है। सभी जरूरतमंद बिना बीमा वाली महिलाओं की जांच पर लगभग 1 अरब डॉलर खर्च होगा यानी युद्ध के सिर्फ 13 घंटे के खर्च से सैकड़ों जानें बच सकती हैं। 300 मिलियन डॉलर यानी युद्ध के चार घंटे के खर्च से अमेरिका के 23 लाख गरीब स्कूली बच्चों को चश्मा उपलब्ध कराया जा सकता है। लगभग 34 अरब डॉलर प्रति वर्ष (तीन सप्ताह से कम का युद्ध खर्च) में स्वास्थ्य बीमा सब्सिडी बहाल हो सकती है, जिससे हजारों मौतें टल सकती हैं। यदि इस युद्ध के पैसे का कुछ हिस्सा विदेशों में लगाया जाए तो इससे और भी अधिक जीवन बचाए जा सकते हैं। वास्तव में अमेरिका ने युद्ध के पहले तीन दिनों में जितना खर्च किया, उससे कम (4 अरब डॉलर) अमेरिका ने पूरे 2025 में मानवीय सहायता पर खर्च किया।

### अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्या हासिल होता

400 मिलियन डॉलर (पांच घंटे से थोड़ा अधिक के युद्ध खर्च) में दुनिया भर के सभी जरूरतमंद बच्चों को कीड़े की दवा दी जा सकती है। 380 मिलियन डॉलर (पांच घंटे से कम के युद्ध खर्च) में 19 करोड़ बच्चों को विटामिन ए सप्लीमेंट दिया जा सकता है, जिससे हर साल 4.8 लाख तक बच्चों की जान बचाई जा सकती है और अंधापन लगभग समाप्त हो सकता है। लगभग एक दिन के युद्ध खर्च से मलेरिया से 3.5 लाख से अधिक लोगों की जान बचाई जा सकती है। 4.3 अरब डॉलर (तीन दिन से कम के युद्ध खर्च) में कुपोषण को काफी हद तक खत्म किया जा सकता है।

## पश्चिम एशिया में और गहराया तनाव

# ईरान के नतांज यूरेनियम प्लांट पर हवाई हमला, विकिरण रिसाव नहीं

» *आगामी हफ्ते में ईरान पर बढ़ेंगे हमले: काट्ज*

» *'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के लक्ष्य पूरा करेंगे*

एजेंसी ▶▶ तेहरान

ईरान के नतांज परमाणु सुविधा पर शनिवार को हवाई हमले की सूचना मिली है। ईरान ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि नतांज परमाणु संवर्धन सुविधा पर हवाई हमला हुआ, हालांकि किसी भी तरह के विकिरण रिसाव की सूचना नहीं है। नतांज, जो ईरान का मुख्य संवर्धन स्थल है, पहले भी युद्ध के शुरुआती हफ्तों में हमलों का निशाना बन चुका है, जिससे कई इमारतें क्षतिग्रस्त हुई थीं। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था ने पहले कहा था कि ऐसे हमलों से किसी भी तरह के 'रेडियोलॉजिकल परिणाम' की उम्मीद नहीं है। यह परमाणु सुविधा तेहरान से लगभग 220 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित है। यह सुविधा जून 2025 में ईरान और इजराइल के बीच 12-दिवसीय युद्ध के दौरान और हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा भी लक्षित की गई थी। इस घटना ने पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के चौथे सप्ताह में तनाव को और बढ़ा दिया है। इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा है कि आने वाले सप्ताह में ईरान के खिलाफ हमले काफी बढ़ जाएंगे। इराक ने सभी विदेशी तेल कंपनियों द्वारा विकसित तेल क्षेत्रों पर फोर्स मैज्योर की घोषणा की है। यह कदम स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में युद्ध और नौवहन में बाधाओं के कारण लिया गया।

एआई एमेज

### ईरान की अमेरिका को कड़ी चेतावनी

ईरान की सेना के एक बड़े अधिकारी ने अमेरिका को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने साफ कहा है कि अगर अमेरिका ने ईरान की जमीन पर ग्राउंड अटैक यानी जमीन से हमला करने की कोशिश की, तो उसे बड़ा और चौंकाने वाला जवाब मिलेगा। ईरानी अधिकारी के मुताबिक, उनकी जमीन पर हमला करना उनकी 'रेड लाइन' है, यानी ऐसी सीमा जिसे पार करना युद्ध को और खतरनाक बना सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि पहले भी जब दुश्मनों ने हमला किया, तो ईरान ने उन्हें 'सरप्राइज' दिया था और इस बार भी वैसा ही होगा।

### अमेरिका का दुनिया में इसलिए दबदबा

दुनिया के किसी भी हिस्से में अमेरिका चंद घंटे में सैन्य कार्रवाई या अभियान चलाने की क्षमता रखता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि दुनिया भर में उसके सैन्य एयरबेस एवं प्रतिष्ठान हैं। वाशिंगटन डीसी में अमेरिकन यूनिवर्सिटी में राजनीतिक मानवशास्त्र के प्रोफेसर डेविन वाइन के मुताबिक कम से कम 80 देशों में अमेरिका के लगभग 750 से ज्यादा सैन्य बेस हैं।

## अमेरिका ने 'पैट्रियट' मिसाइलों को यूरोप से हटाकर पश्चिम एशिया भेजा

पैट्रियट मिसाइल

अमेरिका ने बड़ी संख्या में 'पैट्रियट' मिसाइलों को यूरोप से हटाकर पश्चिम एशिया की ओर भेज दिया है। अमेरिकी रक्षा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इन मिसाइलों को पश्चिम एशिया में भेजे जाने के कारण यूक्रेन युद्ध के बीच रूस के खिलाफ यूरोप की वायु रक्षा कमजोर होने को लेकर चिंता पैदा हो गई है। एक अधिकारी ने बताया कि ईरान युद्ध के कारण यूरोप और अन्य क्षेत्रों में पैट्रियट मिसाइलों का भंडार निश्चित रूप से कम हो रहा है और स्थिति काफी चिंताजनक है। 'व्हाइट हाउस' की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने एक बयान में कहा कि अमेरिकी सेना के पास राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा तय किए 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए पर्याप्त हथियार, गोला-बारूद और सैन्य भंडार मौजूद हैं।

### मोसाद चीफ बार्निया ने दी थी गलत जानकारी

इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के प्रमुख डेविड बार्निया ने युद्ध शुरू होने से पहले पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को बताया था कि 'ईरान में तख्तापलट संभव है।' मोसाद प्रमुख डेविड बार्निया ने राजनीतिक नेतृत्व से कहा था कि यदि इस ऑपरेशन के सैन्य लक्ष्य हासिल हो जाते हैं तो वांछित परिणाम हासिल हो सकते हैं।

## मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति को फोन किया

# जंग में बुनियादी ढांचे पर अमेरिकी हमलों की निंदा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के साथ फोन पर बातचीत में क्षेत्र में अहम बुनियादी ढांचे पर हो रहे हमलों की निंदा की। उन्होंने कहा कि ऐसे हमले क्षेत्रीय स्थिरता को खतरे में डालते हैं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करते हैं। साथ ही उन्होंने समुद्री मार्गों की स्वतंत्रता बनाए रखने और शिपिंग मार्गों को खुला व सुरक्षित रखने के महत्व को दोहराया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म'एक्स' पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से बात की और उन्हें ईद व नवरोज की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि दोनों ने उम्मीद जताई कि यह त्योहारों का सीजन पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि लाएगा।

### होर्मुज स्ट्रेट बंद करने पर 20 देशों ने जताई नाराजगी

करीब 20 देशों ने मिडिल ईस्ट में ईरान की ओर से की जा रही कार्रवाई की घोर निंदा की और होर्मुज स्ट्रेट बंद करने को लेकर नाराजगी भी जाहिर की है। ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड, जापान, कनाडा, रिपब्लिक ऑफ कोरिया, न्यूजीलैंड, डेनमार्क, लातविया, स्लोवेनिया, एस्टोनिया, नॉर्वे, स्वीडन, फिनलैंड, चेकिया, रोमानिया, बहरीन और लिथुआनिया के नेताओं ने होर्मुज स्ट्रेट में हालात को लेकर संयुक्त बयान जारी किया और हमले रोकने को कहा है।

## एनआरसी की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

# पाक हमलों के कारण 1 लाख से अधिक अफगानी बेघर, शिविरों में ली पनाह

» *लोग साफ पानी और स्वास्थ्य सेवा से वंचित*

एजेंसी ▶▶ काबुल

अंतर्राष्ट्रीय मानवीय राहत एजेंसी नॉर्वेजियन रिफ्यूजी काउंसिल (एनआरसी) की रिपोर्ट दावा करती है कि तालिबान-पाकिस्तान के बीच लड़ाई के कारण 1,15,000 (एक लाख 15 हजार) से अधिक अफगानी बेघर हो गए हैं। अफगानिस्तान में एनआरसी के निदेशक जैकोपो कैरीडी ने कहा कि जिन परिवारों को अपना अस्तित्व खतरे में लग रहा था, उन्हें अपने घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है। हजारों लोगों ने कामचलाऊ कैंपों और स्थानीय परिवारों की दया पर पनाह ली है। कइयों को घटिया घर किराए पर लेने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जिसका खर्च उठाना भी मुश्किल है। उन्हें साफ पानी, स्वास्थ्य सेवा और बच्चों को स्कूली शिक्षा तक नहीं मिल पा रही है।

अफगानिस्तान पर हमला — फाइल फोटो

### 800 घरों को पहुंचा नुकसान

*एनआरसी ने कहा कि अफगानिस्तान में अब तक करीब 800 घरों को नुकसान पहुंचा है, और परिवारों को इस नुकसान से उबरने में वर्षों लग सकते हैं। कैरीडी ने कहा कि यह बहुत जरूरी है कि लड़ाई में शामिल लोग अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करें। आम लोगों के इंफ्रास्ट्रक्चर को कभी भी निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। दुनिया में उथल-पुथल के बीच, अफगानों की चिंता की जानी चाहिए, उन्हें भूलना नहीं चाहिए। खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतें और बंद सीमा उन परिवारों के लिए मुश्किलें और ज्यादा खड़ी कर रहे हैं, जिनकी जिंदगी पहले ही लड़ाई की वजह से बर्बाद हो चुकी है। एजेंसी ने बताया कि मदद के लिए फंडिंग में कटौती से अफगानिस्तान पर बहुत बुरा असर पड़ा है। और यह दुनिया भर में सबसे कम फंड पाने वाले मानवीय मदद में से एक बना हुआ है, लड़ाई की वजह से अब लोगों को जो थोड़ी मदद मिल रही है, वह भी नहीं मिल पा रही है।*

## रक्षा मंत्री उत्तराखंड के सैनिक स्कूल के स्थापना दिवस पर बोले

# आधुनिक युद्ध सीमाओं से परे, राष्ट्रहित के लिए सेना और नागरिक तैयार रहें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज का युद्ध सीमाओं से परे चला गया है, जिसमें देश की सुरक्षा में आर्थिक, डिजिटल, ऊर्जा और यहां तक कि खाने की सुरक्षा भी शामिल है। उन्होंने शनिवार को उत्तराखंड के घोड़ाखाल स्थित सैनिक स्कूल के स्थापना दिवस और हीरक जयंती समारोह को वर्चुअली संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि आज संघर्षों का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है। किसी भी राष्ट्र को आर्थिक, साइबर, अंतरिक्ष और सूचना युद्ध के माध्यम से कमजोर किया जा सकता है, इसलिए प्रत्येक नागरिक को हर समय सतर्क और तैयार रहने की जरूरत है। रक्षा मंत्री ने कहा कि तैयार रहने का मेरा मतलब युद्ध के लिए नहीं बल्कि सामने आने वाली हर परिस्थिति के लिए तैयार रहने से है। यह तैयारी मानसिक

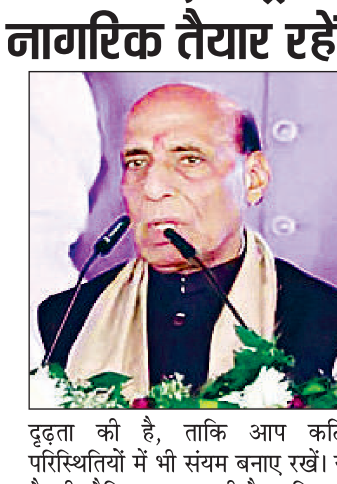

दृढ़ता की है, ताकि आप कठिन परिस्थितियों में भी संयम बनाए रखें। यह तैयारी बौद्धिक स्पष्टता की है, ताकि आप सही और गलत में फर्क कर सकें। उन्होंने युवाओं से अनुशासन और दृढ़ संकल्प के माध्यम से मानसिक मजबूती और बौद्धिक स्पष्टता विकसित करने का आह्वान किया, ताकि वे हर चुनौती का सामना कर सकें।

## सिओल में आग लगने से 10 की मौत, 59 घायल

**सियोल।** दक्षिण कोरिया में डेजॉन के वाहन कलपुर्जा कारखाने में संभवतः विस्फोट के कारण आग लगने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई, कम से कम 59 अन्य लोग घायल हो गए और 4 लोग लापता हैं। गृह एवं सुरक्षा मंत्रालय ने बताया कि 25 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

## मणिपुर में 50 आईईडी और कई हथियार बरामद

**इंफाल।** सुरक्षा बलों ने मणिपुर के जिलों से कम से कम 29 आग्नेयास्त्र और गोला-बारूद तथा 50 आईईडी जब्त किए हैं। पुलिस ने बताया कि एक अभियान के दौरान काकचिंग जिले के वाबागई तुरेल मामेई क्षेत्र से एक एके-56 राइफल सहित छह आग्नेयास्त्र, तीन ग्रेनेड और गोला-बारूद बरामद किए गए।

## चीनी दूतावास ने दी जानकारी

# एयर चाइना शुरू करेगा बीजिंग और दिल्ली के बीच सीधी उड़ानें

एजेंसी ▶▶ बीजिंग

एयर चाइना फिर से बीजिंग और दिल्ली के बीच सीधी उड़ानें शुरू करेगा। यह जानकारी शनिवार को भारत में चीनी दूतावास की प्रवक्ता यू जिंग ने दी। 'एक्स' पर एक पोस्ट में यू जिंग ने लिखा कि बीजिंग और दिल्ली के बीच एयर चाइना की सीधी उड़ानें फिर से शुरू होना केवल यात्रा तक सीमित नहीं है। यह व्यापार, पर्यटन और भरोसे को बढ़ावा देने वाला कदम है और संघाई सहयोग संगठन और ब्रिक्स के सदस्य देशों के लोगों के बीच आपसी सहयोग के लिए एक बड़ा सकारात्मक संकेत है। बता दें, पिछले साल करीब पांच साल के

अंतराल के बाद भारत और चीन ने फिर से हवाई सेवाएं शुरू कीं, जिससे दोनों देशों के संबंधों में सुधार का संकेत मिला। एक फरवरी को एयर इंडिया ने शंघाई और दिल्ली के बीच सीधी उड़ान की घोषणा की। इस तरह दोनों शहरों के बीच छह साल बाद फिर से उड़ान सेवा शुरू हुई। इसके अलावा, चीनी एयरलाइन चाइना ईस्टर्न ने भी पिछले साल नवंबर में शंघाई से दिल्ली के लिए उड़ानें शुरू कीं।

## ग्लोबल टेररिस्ट इंडेक्स 2026 में चौंकाने वाले कई खुलासे

# पश्चिमी देशों में 42% आतंकी मामलों में नाबालिग शामिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दुनिया में कट्टरपंथ कम उम्र से ही बढ़ रहा है और तेजी से फैल रहा है, साथ ही इसका पता लगाता और भी कठिन हो रहा है। पश्चिमी देशों में आतंकी मामलों की सभी जांच में अब नाबालिगों की हिस्सेदारी 42% है। ऑनलाइन प्रोपगेंडा, आइसोलेशन और मनोवैज्ञानिक आघात बच्चों को अभूतपूर्व गति से चरमपंथी विचारधारा की ओर खींच रहे हैं, जिससे भर्ती की समयसीमा महीनों से घटकर हफ्तों में आ गई है। वैश्विक आतंकवाद सूचकांक (जीटीआई) 2026 से पता चलता है कि यूरोप और उत्तरी अमेरिका में आतंकी मामलों की सभी जांच में नाबालिगों की हिस्सेदारी 42 प्रतिशत है, जो मात्र तीन वर्षों में तीन गुना वृद्धि है।

ऑनलाइन प्रोपगेंडा, आघात से कट्टरपंथ में तेजी से वृद्धि

कट्टरपंथ की भर्ती समयसीमा महीनों से हफ्तों में सिमटी

आतंकी समूह

### भावनात्मक रूप से कमजोर बच्चों को जाल में फंसाया

रिपोर्ट में 'युवा कट्टरपंथ के रुझान' शीर्षक के तहत कहा गया है कि कट्टरपंथ की औसत समयसीमा में तेजी से कमी आई है, अब यह कुछ ही हफ्तों में घटित हो सकती है, जिसका कारण ऑनलाइन प्रचार सामग्री, एल्गोरिदम द्वारा प्रभाव और युवाओं की विकासात्मक कमजोरियों का शोषण है। कट्टरपंथी बन चुके 87 प्रतिशत नाबालिगों का इतिहास उपेक्षा या मनोवैज्ञानिक दुर्व्यवहार से जुड़ा है, जबकि 77 प्रतिशत परित्याग का शिकार हुए हैं। ये कट्टर विचारधारा वाले लोग नहीं हैं, बल्कि भावनात्मक रूप से कमजोर बच्चे हैं जिन्हें उनकी कमजोरियों का फायदा उठाने के लिए बनाए गए चरमपंथी जाल में फंसा लिया गया है।

### नाबालिगों की संख्या अधिक लेकिन वे अकुशल

*रिपोर्ट के अनुसार भर्ती तंत्र कम ध्यान अवधि और अस्थिर पहचान वाले लोगों के लिए है। नाबालिगों की संख्या तो बहुत है, लेकिन वे अकुशल हैं, जैसा कि घातक हमलों की संख्या में वृद्धि के बजाय हमलों के प्रयासों की बढ़ती संख्या से स्पष्ट होता है। आंकड़ों से पता चलता है कि उग्रवाद भी एक अकेले व्यक्ति द्वारा किया जाने वाला काम है। पिछले पांच वर्षों में, पश्चिम में 93% हमले अकेले हमलावरों द्वारा किए गए, यही पैटर्न युवाओं के मामलों में भी दिखाई देता है।*

### यह एक उभरता संकट

*जीटीआई का कहना है कि यह एक उभरता हुआ संकट है और इससे भी बढ़कर यह एक जनसांख्यिकीय प्रक्रिया का प्रारंभिक चरण है जो दशकों तक वैश्विक सुरक्षा को आकार देगा, ऐसे हमलावरों को जन्म देगा जिनकी वैचारिक सीमाएं धुंधली हो जाती हैं और जिनके लामबंदी चक्र संस्थानों की निगरानी करने की क्षमता से कहीं अधिक तेजी से चलते हैं।*

हरिभूमि कम्युनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2026-28